राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 31 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-162 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार की 1 लाख आशा कार्यकर्ताओं को नीतिश का गिफ्ट

● 1 हजार की जगह मिलेंगे 3000

पटना (एजेंसी)। चुनाव से पहले नीतिश सरकार ने बिहार में आशा और ममता कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने बुधवार सुबह एक्स पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, आशा कार्यकर्ताओं को अब 1 हजार रुपए की जगह 3 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपए की

जगह 600 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इससे उनका मनोबल और बढ़ेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। सीएम ने आगे लिखा, नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से हम लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में आशा तथा ममता कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आशा और ममता कार्यकर्ताओं के अहम योगदान को सम्मान देते हुए उनकी मानदेय राशि में बढ़ोतरी का फैसला लिया गया। सरकार के इस फैसले से बड़ा फायदा होगा।

डीजीसीए ऑडिट में एअर इंडिया से जुड़ी 100 गड़बड़ियां मिलीं

● इनमें 7 बेहद गंभीर जोखिम की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानों की सुरक्षा देखने वाली संस्था नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने टाटा समूह की एयरलाइन एअर इंडिया में कई बड़ी खामियां पकड़ी हैं। सूत्रों के मुताबिक इनमें पायलटों और केबिन क्रू की ट्रेनिंग, उनके आराम और ड्यूटी के नियम और उड़ान भरने-उतरने से जुड़े मानकों में करीब 100 तरह की गड़बड़ियां शामिल हैं। हालांकि, रॉयटर्स के मुताबिक, ये संख्या 51 है। इनमें से 7 गड़बड़ियां लेवल-1 की हैं। ये सबसे

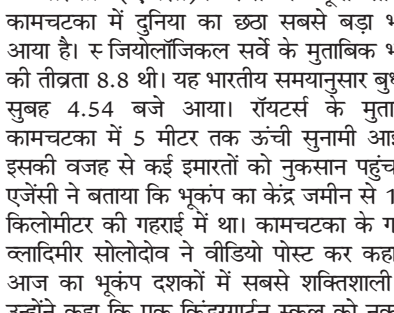

गंभीर सुरक्षा जोखिम हैं और एयरलाइन को इन्हें 30 जुलाई तक ठीक करना होगा। बाकी बाकी 44 खामियों को 23 अगस्त तक सुधारने को कहा गया है। हालांकि, अभी इन खामियों की लिस्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। एअर इंडिया ने एक बयान में इन ऑडिट नतीजों को स्वीकार किया है और कहा है कि वे तय समय के अंदर डीजीसीए को अपना जवाब देंगे।

अनोखी शादी! स्कॉर्पियो छोड़ नाव से बारात ले गया दूल्हा

● 35 किमी की यात्रा में लगे 8 घंटे, फिर नाव से ही लाया दुल्हन

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले में एक दूल्हा लग्जरी कार की जगह नाव पर अपनी बारात लेकर निकला। यह पूरा दृश्य जिले के पीरपैंती प्रखंड के बाकरपुर गांव का है। यहां 2 सप्ताह पूर्व से गंगा नदी में आई बाढ़ के पानी से बाकरपुर पंचायत पूर्ण रूप से प्रभावित हो चुका है। ऐसे में, इस गांव के देवमुनी कुमार सजधज कर दूल्हा बने तो 35 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए नाव की सवारी करनी पड़ी। दरअसल बिहार और नेपाल में हो रही बारिश के बाद प्रदेश की नदियां उफान पर हैं। गंगा और कोसी

नदी कुछ स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कई जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने लगा है। लड़के के पिता रामदेव मंडल ने बताया कि शादी की तिथि एक महीने पहले निर्धारित कर ली गई थी। इसी बीच गंगा नदी में भीषण बाढ़ आ गई। बाखरपुर गांव भी बाढ़ के पानी से चारों तरफ से घिर गया, गांव से निकलने का रास्ता नहीं बचा तो कटिहार जिले के मनिहारी प्रखंड के कटाकोष गांव निवासी रामचंद्र चौधरी के यहां बारात नाव से गया। और शादी कर दुल्हन को लेकर नाव से ही वापस आया। दूल्हे राजा देवमुनी कुमार ने बताया कि गंगा नदी में बाढ़ आने के कारण लड़की के घर जाने के लिए कोई और रास्ता नहीं बचा। ऐसे में नाव पर बारात को ले जाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बारात में 25 से 30 लोग शामिल थे।

एलओसी के पास सेना का ऑपरेशन शिवशक्ति

● पुंछ में 2 आतंकी ढेर, तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर पर तैनात जवानों ने मंगलवार देर रात देगवार सेक्टर के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा एनकाउंटर है। 28 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क के पास हरवान इलाके में सुरक्षाबलों तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में

बताया था कि मारे गए आतंकियों में से एक पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी था।

बाढ़-बारिश से बुरे हाल

जीना हुआ मुहाल

एमपी और राजस्थान में बाढ़ के हालात, 18 जिलों में स्कूल बंद

सवाई माधोपुर में पुलिया बही, घरों में पानी, हिमाचल में सड़कें बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में भारी बारिश का दौर जारी है। राजस्थान में बुधवार को भी 6 जिलों में बारिश का रेड और बाकी में यलो अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश की चेतावनी के बीच 14 जिलों में स्कूलों की छुट्टी है। मंगलवार देर रात से सवाई माधोपुर में बाढ़ के हालात हो गए हैं। यहां श्योपुर (मध्य प्रदेश) को जोड़ने वाली एक पुलिया बह गई। शहर के कई इलाके पानी में डूब गए। घरों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बहाव इतना तेज था कि गाड़ियां बहते हुए एक-दूसरे पर चढ़ गईं। बुधवार सुबह से रेस्क्यू टीमें लोगों को बचाने में जुटी हैं। मध्य प्रदेश के अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। कई रास्ते भी बंद हो गए। बुधवार को भी तेज बारिश का अलर्ट है। इसके चलते भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर, अशोकनगर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। इधर, हिमाचल के मंडी में सोमवार रात बादल फटने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मलबे में दबे

20 लोगों को बचाया गया। मंडी में अभी भी 254 सड़कें बंद हैं। वहीं, पूरे हिमाचल प्रदेश में 357 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश, बिहार और हिमाचल में आज भी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट है। जबकि बाकी राज्यों में यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में जनकगंज थाना इलाके के गेंडे वाली रोड पर मंगलवार को घर का एक हिस्सा गिर गया था। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में बीते 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मंगलवार को हुई भारी बारिश के चलते मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे बंद हो गया है। हिमाचल के कई जिलों में बुधवार को बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ आ गई है। शिवपुरी में कई लोग बाढ़ में फंसे हैं। इनको रेस्क्यू करने के लिए सेना की मदद ली जा रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार को नीमच, मंदसौर, श्योपुर, गुना, आगर-मालवा और राजगढ़ में बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी दी

है। हिमाचल के चंबा, कांगड़ा, हमीरपुर में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कुल्लू में मंगलवार देर रात आनी के पास सैंज ओट नेशनल हाईवे पर पहाड़ी से लैंडस्लाइड हो गया। इसकी चपेट में सड़क किनारे खड़ी 3 गाड़ियां आ गईं। इससे एक गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। एमपी के अशोकनगर जिले की भटौली गांव में बाढ़ में फंसे चार लोगों को रात में सुरक्षित निकाल लिया। एसडीआरएफ की टीम के साथ कलेक्टर आदित्य सिंह, एसपी विनीत कुमार जैन मौके पर पहुंचे।

मोदी सीजफायर पर बोलेंगे तो ट्रम्प सच्चाई बता देगा

राहुल गांधी ने कहा-ट्रेड डील पर इनको और दबाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा, अगर पीएम मोदी सीजफायर पर बोलेंगे तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प खुल के बोलेगा। उनकी सारी सच्चाई बता देगा। राहुल ने कहा, ट्रम्प सीजफायर पर लगातार इसलिए बयान दे रहा है, क्योंकि वो अपनी ट्रेड डील चाहता है। ट्रम्प ट्रेड डील को लेकर इनको (भारत) दबाएगा। आप देखना कैसी ट्रेड डील बनी है। इससे पहले, पीएम मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में ट्रम्प का नाम लिए बिना कहा था कि दुनिया के किसी देश और नेता ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन रोकने नहीं कहा था। पाकिस्तान के डीजीएमओ की गुहार लगाने के बाद सीजफायर हुआ। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प अब तक

26 बार कह चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने कराया। इस पर राहुल ने लोकसभा में कहा था, अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि ट्रम्प झूठ बोल रहे हैं।

जांच कमेटी की प्रक्रिया पर अगर ऐतराज था तो तभी क्यों नहीं आए

● सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस वर्मा को फटकार कहा-आपके व्यवहार से भरोसा नहीं होता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के आचरण पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार भरोसे के लायक नहीं है और पूछा कि अगर उन्हें जांच समिति की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो उन्होंने उसी वक्त उसे चुनौती क्यों नहीं दी। बेंच में शामिल जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह ने कहा कि जस्टिस वर्मा को पहले ही सुप्रीम कोर्ट आना चाहिए था, न कि अब जब जांच समिति ने उन्हें दोषी पाया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाभियोग संसद की प्रक्रिया है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा महाभियोग की सिफारिश किया जाना गलत है। दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है।

आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकती

● नड्डा बोले-2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, यूपीए सरकार मिठाई खिलाती रही, जयशंकर भी बरसे

खड़गे ने चला दांव, कहा-लीडरशिप का मतलब है जिम्मेदारी लेना, न कि किसी को दोष देना

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में मानसून सत्र का 8वां दिन था। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन यूपीए सरकार आतंकियों को मिठाई खिलाती रही। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- हम पाकिस्तान का सच दुनिया के सामने लाए। खून-पानी एक साथ नहीं चलेगा। ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में बहस मंगलवार को जबकि लोकसभा में शुरू हुई थी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, जेडीयू सांसद संजय कुमार झा सहित कई सांसदों ने भाग लिया। खड़गे ने

कहा- लीडरशिप का मतलब है जिम्मेदारी लेना, न कि किसी को दोष देना। वे (मोदी) जवाब नहीं देंगे, वे अपने दोस्तों-मंत्रियों से कहेंगे कि जाओ जो कहना है कहो। 11 साल में कभी बहस में शामिल नहीं होते। एक व्यक्ति को इतना बढ़ावा मत दो, भगवान मत बनाओ। लोकतांत्रिक रूप से आया है, उसे इज्जत दो, पूजा मत करो। जेपी नड्डा ने कहा कि 2004-2014 का समय देखिए, उस वक्त की सरकार ने कई आतंकी घटनाओं पर कोई ऐक्शन नहीं लिया। यूपीए के गृहमंत्री कहते थे कश्मीर जाने में डर लगता था। 2005 में श्रमजीवी ब्लास्ट हुआ, कोई ऐक्शन नहीं हुआ। उस समय की सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। पहलगाम पर सवाल उठाने वाले पहले अपने गिरेबां में झांक कर देखें। जेपी नड्डा ने कहा कि यूपीए के गृहमंत्री कहते थे कश्मीर जाने में डर लगता था। आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकती। हमले होते रहे हम बिरयानी खिलाते रहे। वो आतंकी हमले करते हम डोजियर भेजते रहे। यूपीए सरकार के दौरान जगह-जगह बम धमाके होते थे। पहलगाम पर हमले की पूरी क्रोनोलॉजी समझनी चाहिए। विपक्ष पर अटैक करते हुए कहा कि हाफिज सईद को जी कहकर बुलाते थे। सपा सांसद जया बच्चन ने राज्यसभा में अपनी बात रखी।

रूस में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप

● 8.8 रही तीव्रता, 5 मीटर ऊंची सुनामी उठीं, इमारतें ध्वस्त ● अमेरिका के अलास्का-हवाई-कैलीफोर्निया तक लहरें पहुंची

मास्को (एजेंसी)। रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया है। स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8.8 थी। यह भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 4.54 बजे आया। रॉयटर्स के मुताबिक कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई है। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने वीडियो पोस्ट कर कहा कि आज का भूकंप दशकों में सबसे शक्तिशाली था। उन्होंने कहा कि एक किंडरगार्टन स्कूल को नुकसान पहुंचा है। जापान के टेलीविजन के मुताबिक, देश के पूर्वी तट के पास एक फुट ऊंची पहली सुनामी लहरें

पहुंची हैं। जापान ने राजधानी टोक्यो में 20 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है।

इसके अलावा अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली को करा लिया है। अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गई हैं। अमेरिका ने हवाई राज्य के लिए जारी सुनामी चेतावनी को अब डाउनग्रेड कर एडवाइजरी में बदल दिया गया है। यह जानकारी नेशनल वेदर सर्विस ने दी। पैसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर के निदेशक चिप मैककरी ने कहा कि सबसे बुरा हिस्सा अब बीत चुका है। फिलहाल अमेरिका के नॉर्थ कैलीफोर्निया में सुनामी चेतावनी है। इसमें पापुआ न्यू गिनी, सोलोमन द्वीप और वानुअतु जैसे देश शामिल हैं। यह चेतावनी अमेरिका की राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन ने दी है। जापान में आई सुनामी की वजह से चीबा प्रान्त के तातेयामा शहर के पास चार व्हेल बहकर किनारे पर आ गईं। कैलीफोर्निया में ओरेगन सीमा के पास के क्रिसेंट सिटी में जल स्तर बढ़ने के साथ पहली सुनामी लहरें देखी जाने लगी हैं।

अब दमिश्क में भी दिल्ली की दस्तक

सीरिया की नई सरकार से पहली बार बातचीत

दमिश्क (एजेंसी)। भारत ने सीरिया की नई सरकार के साथ डिप्लोमेटिक संबंध बहाल कर लिए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय मे पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के ज्वाइंट सेक्रेटरी सुरेश कुमार ने सीरियाई विदेश मंत्री असद हसन अल-शिबानी से दमिश्क में मुलाकात की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में भारत-सीरिया संबंधों को गहरा करने और आपसी हितों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सीरिया में अब कभी आईएसआईएस से संबंध रखने वाले अल-जोलानी की सरकार है, जो देश के राष्ट्रपति हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रम्प प्रशासन भारतीय दर्शन को अपनाकर वैश्विक समस्याओं का हल निकाल सकते हैं

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

वैश्विक स्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवतः आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की 'वसुधैव कुटुंबकम', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' एवं 'सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामया' जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वस्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा।

यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णतः अभाव है। अतः इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है। आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुक्सान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुक्सान के प्रति अमेरिका आज पूर्णतः अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रस्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है। आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रस्त नजर आ रहे हैं।

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशनियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वस्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है। इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि ‘पश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अतः उनके जीवन स्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वस्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है। इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इसमें से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती। सभी नैतिक बंधन विच्छिन हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनायें सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैं।' हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए हैं। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुक्सान हों परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए।

भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है। अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विस्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार तो अर्थ का उपभोग केवल एवं केवल स्वयं के लिए किया जाता है एवं येन केन प्रकारेण व्यक्ति द्वारा इसकी वृद्धि हेतु प्रयास किए जाते हैं। सुख को तो अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। बाहरी भौतिक आवरण पहनकर सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं है। इसी संदर्भ में श्री गुरुजी कहते हैं कि ‘सब बातों का विचार हमारे पूर्वजों ने भी किया था। समय पर वर्षा होना चाहिए, पृथ्वी पर धन धान्य की समृद्धि रहना चाहिए, समाज को ऐच्छिक सुख समृद्धि की प्राप्ति होना चाहिए, कोई भी दुखी न रहे - ऐसी प्रार्थना उन्होंने की है, परंतु उस समय भी उनको अनुभव हुआ कि मनुष्य केवल वासनाओं का पुतला नहीं है। वासनाओं की तुष्टि कुछ समय के लिए आनंद देती हैं, किंतु हमेशा के लिए वह आनंद नहीं दे सकती। मनुष्य तो ऐसा सुख चाहता है, जो कभी क्षीण न हो, उसमें कभी बाधा न आ सके, व्यत्यय न आ सके, यानी वह अबाधित, नित्य सुरक्षित और चिरकालिक सुख की कामना करता है'।

उक्त विचार को आगे बढ़ाते हुए श्री गुरुजी कहते हैं कि 'अपनी भारतीय प्रणाली में जिसे अर्थशास्त्र कहते हैं, उसमें आज जैसा केवल आर्थिक पहलू मात्र नहीं था। हमारे यहां अर्थशास्त्र का ही दूसरा नाम नीतिशास्त्र था। आज हमें अपने सिद्धांतों के आधार पर मौलिक चिंतन करना चाहिए। हम दुनिया भर के विचार प्रवाहों को परखेंगे तथा अपनी स्वतंत्र मौलिक राष्ट्रीय चिंतनधारा के अनुरूप अपना रास्ता अपनाएंगे। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी जी ने अपने जीवन काल में संपत्ति के विकेंद्रीकरण के लिए ट्रस्टीशिप का मार्ग प्रतिपादित किया। उनके इस ट्रस्टीशिप के विचार में माना गया है कि मनुष्य के उत्पादन सामर्थ्य में कोई कमी करने की जरूरत नहीं जीविका के साधनों द्वारा जितना चाहे, उसे उत्पादन करने दो, परंतु संग्रह का वह अधिकारी नहीं है। जीविका के साधनों का प्रयोग करने पर जो संपत्ति एकत्रित होती है, वह समाज की है, अपने उपभोग बढ़ाने के लिए नहीं। वह सम्पत्ति उसने समाज को दे देनी चाहिए।'

इस धरा पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुख वासनाओं-इच्छाओं को बढ़ाते जाने में नहीं है, सुख तो वासनाओं-इच्छाओं को कम करते जाने की मानसिकता में से मिलता है। इस दृष्टि से श्री गुरुजी इच्छाओं व आवश्यकताओं को बढ़ाते जाने वाले आर्थिक चिंतन को स्वीकार नहीं करते थे, अपितु 'आवश्यकता विहीन' की दिशा में चलने वाले अर्थशास्त्र के समर्थक थे। साथ ही, समाज के समस्त क्रिया कलापों के दौरान यह भी ध्यान रखना होगा कि कुल मिलाकर सम्पूर्ण समाज के सुख में वृद्धि हो जो शोषण से मुक्ति एवं वितरण की समानता की ओर संकेत करती है। वेसे भी सुख की प्राप्ति मनुष्य अकेला नहीं कर सकता, समाज का सहयोग चाहिए। अतः सुख का आधार परस्परानुकूलता हैं, संघर्ष नहीं। कुल मिलाकर प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन में ट्रम्प प्रशासन के लिए बहुत बड़ी सीख छुपी हुई है।

संपादकीय

थकी- तनावग्रस्त पीढ़ी

अपने हालिया अध्ययन में यूरोपीय आयोग ने चिंता जतायी है कि सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रूबरू होने का मौका मिल गया था। यह पीढ़ी पारंपरिक मानकों को चुनौती देकर अपना नया आकाश तलाशने की जद्दोजहद में जुटी रही है। इस पीढ़ी ने परंपरागत जीवन मूल्यों को तिलांजलि देकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को अंजाम दिया। साथ ही नये नजरिये की जीवनशैली का अंगीकार किया। यह पीढ़ी डिजिटल युग के साथ कदमताल करती नजर आई। इंटरनेट के विस्तार के साथ वह सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों के साथ सहज दिखी। लेकिन काल्पनिक धरातल पर उगा सोशल मीडिया इस पीढ़ी को यथार्थ से बहुत दूर ले गया। फलतः कठोर यथार्थ से जूझते हुए यह पीढ़ी कल्पना व वास्तविकता के द्वंद्व के चलते तनाव व असहजता के भंवर में जा फंसी। इस बात की पुष्टि यूरोपीय आयोग का अध्ययन भी करता है। आयोग कहता है कि लगातार सोशल मीडिया में सक्रियता के चलते युवाओं में चिंता, मानसिक थकान, कुछ खोने का भय व मोबाइल में चिपके रहने की विसंगतियां सामने आई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के विश्व खुशी सूचकांक रिपोर्ट में भी इन खतरों की तरफ इशारा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि युवा वर्ग सबसे अधिक दुखी है। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनमें तनाव व डिप्रेशन की वजह पढ़ाई या कैरियर की चिंता नहीं थी बल्कि इसकी मूल वजह सोशल मीडिया ही था। वास्तव में हमने कोरोना संकट से उबरने के लिये जिस ऑनलाइन व्यवस्था को अस्त्र के रूप में अपनाया था, कालांतर वह ही शस्त्र बनकर युवा पीढ़ी को जख्मी करने लगा। उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान जब संचार बंदी लागू हुई तो पूरी दुनिया में जनजीवन ठप पड़ गया। जिसके चलते घरों में कैद लोगों को इंटरनेट ही अंतिम सहारा नजर आया। धीरे-धीरे युवाओं का जीवन इंटरनेट पर बहुत ज्यादा आश्रित हो गया। जहां छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गई, वहीं मनोरंजन की दुनिया भी मोबाइल आदि तक सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिये शिक्षा व कैरियर का दबाव यथावत बना रहा। लेकिन एक हकीकत यह है कि जीवन व्यवहार में सब कुछ ऑनलाइन हो पाना संभव नहीं है। जीवन तो हमारी कठोर वास्तविकता और सामाजिक सहभागिता से ही चलता है। वैसे फिलहाल हमारा वैश्विक परिवेश भी कम उथल-पुथल वाला नहीं है। जब तक दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल में लगे झटके से उबर पाती, दुनिया में कई युद्धों व क्षेत्रीय संघर्षों ने पूरी दुनिया की आर्थिकी की स्वाभाविक गति को रोक दिया। निस्संदेह, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष व इस्राइल तथा ईरान के बीच हुए संघर्ष ने विश्व विकास की स्वाभाविक गति को बाधित किया, जिसका नकारात्मक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा। वहीं वैश्विक टकराव के अलावा युवाओं के अपने राष्ट्रों की विषम स्थितियां व जलवायु परिवर्तन के कारकों के चलते रोजगार के सिमटते अवसरों ने भी नई पीढ़ी को हताश किया।

जन- जन के कवि, युगों के संत गोस्वामी तुलसीदास

(लेखिका - श्वेता गोयल/ईएमएस)

तुलसीदास जयंती (31 जुलाई) पर विशेष)

भारतीय साहित्य, भक्ति आंदोलन और आध्यात्मिक चेतना के आकाश में गोस्वामी तुलसीदास एक ऐसे नक्षत्र हैं, जिनकी चमक न केवल हिंदी साहित्य को आलोकित करती है बल्कि करोड़ों जनमानस के हृदय को भी आज तक प्रकाशित करती रही है। गोस्वामी तुलसीदास का जीवन, उनकी साधना, उनका साहित्य और उनका भक्ति भाव भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। तुलसीदास जी ने रामभक्ति को केवल एक धार्मिक भावना के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय सरोकारों से जोड़ते हुए जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी गूढ़ तत्वज्ञान और सरल भाषा का अद्भुत संगम मानी जाती हैं।

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था, जो वर्ष 2025 में 31 जुलाई को पड़ रही है। जन्मस्थान के विषय में विभिन्न मत हैं परंतु अधिकांश विद्वान मानते हैं कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के राजापुर नामक स्थान पर हुआ था। उनकी माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम दुबे था। बाल्यावस्था में ही माता-पिता का साया उठ जाने के कारण तुलसीदास का जीवन प्रारंभ से ही संघर्षपूर्ण रहा किन्तु वे आध्यात्मिक रूप से अत्यंत समृद्ध और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पित थे। उनका बाल्य नाम रामबोला था और उन्हें राम नाम लेते ही जन्म से आठों दांत मिल गए थे, जिसे लोग चमत्कार मानते थे।

तुलसीदास का जीवन भक्ति और सेवा की मिसाल है। उन्होंने गृहस्थ जीवन भी अपनाया था किन्तु एक प्रसंग के अनुसार, पत्नी की एक तीखी टिप्पणी ने उनके हृदय को ऐसा झकझोर दिया कि वे सांसारिक जीवन त्याग कर ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए। वह प्रसंग आज भी स्मृति में गूंजता है, जब पत्नी रत्नावली ने उन्हें फटकारते हुए कहा था कि यदि आप भगवान राम में इतनी ही आसक्ति रखते, जितनी मुझमें है तो आपका उद्धार हो गया होता। इस वाक्य ने तुलसीदास को आत्मचिंतन के लिए बाध्य किया और वहीं से उनकी रामभक्ति की अमर यात्रा का आरंभ हुआ।

गोस्वामी तुलसीदास की सबसे प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' है, जो वाल्मीकि रामायण के आधार पर अवधी भाषा में लिखी गई। यह केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय जनमानस की भावनाओं का प्रतिबिंब है। यह ग्रंथ एक ऐसी लोकगाथा बन गया है, जो मंदिरों से लेकर ग्रामीण चौपालों तक में सुनी और सुनाई जाती है। तुलसीदास जी ने भाषा को जन-जन से जोड़ा, पंडितों की सीमित संस्कृत को आम जनता की बोली में ढ़ालकर रामकथा को एक व्यापक जनांदोलन का रूप दिया। उनकी भाषा अवधी होते हुए भी अत्यंत शुद्ध, सरल और भावगर्भित है, जो सामान्य व्यक्ति को भी गहरे आध्यात्मिक भाव में डुबो देती है। 'रामचरितमानस' सात कांडों में विभाजित है, बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड। प्रत्येक कांड में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न चरणों को अत्यंत सरस, मार्मिक और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया है। राम को तुलसीदास ने केवल एक राजा या योद्धा नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में चित्रित किया है। राम के चरित्र के माध्यम से उन्होंने नीति, धर्म, करुणा, न्याय और सच्चाई के आदर्श प्रस्तुत किए हैं, जो आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। तुलसीदास की एक और कालजयी रचना 'हनुमान चालीसा' है, जिसकी लोकप्रियता भारत के कोने-कोने में दिखाई देती है। हनुमान चालीसा केवल स्तोत्र नहीं अपितु विश्वास, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इसमें भक्त के विश्वास और प्रभु की कृपा के बीच का जो गूढ़ संबंध उभरता है, वह भक्तिरस की पराकाष्ठा को दर्शाता है। इसकी हर चौपाई आज भी करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे न केवल मानसिक शक्ति का संचार होता है बल्कि आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है।

तुलसीदास का जीवनकाल मुगलों के शासनकाल में था, जब देश सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक अस्मिता के संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय में तुलसीदास की रचनाएं भारतीय समाज में आत्मबल, सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक एकता का संचार करने वाली साबित हुईं। उन्होंने धर्म और संस्कृति को लोकभाषा के माध्यम से इस तरह जनमानस में प्रवाहित किया कि वह सामाजिक क्रांति का माध्यम बन गई। उनके समय में जब ब्राह्मणवादी संस्कृत को ही धर्म और विद्या का माध्यम माना जाता था, तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी को माध्यम बनाकर जनसामान्य को आध्यात्मिकता से जोड़ा और भक्ति को जन आंदोलन बनाया।

तुलसीदास के साहित्य का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि विश्वभर में रामकथा और तुलसी साहित्य का अनुकरण किया जाता है। दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में रामचरितमानस का पाठ, रामलीलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ श्रद्धा और भक्ति से किया जाता है। तुलसीदास के राम न केवल हिन्दुओं के आराध्य हैं बल्कि वे न्याय, धर्म, करुणा और विवेक के वैश्विक प्रतीक बन चुके हैं। तुलसीदास का जीवन इस बात का साक्ष्य है कि एक संत, एक कवि और एक साधक किस प्रकार से साहित्य और भक्ति के माध्यम से जनचेतना को जागृत कर सकता है। वे केवल एक कवि नहीं थे बल्कि समाज-सुधारक, अध्यात्म-प्रणेता और सांस्कृतिक योद्धा भी थे। उन्होंने शब्दों की शक्ति से एक ऐसे भारत की रचना की, जिसकी आत्मा आज भी रामभक्ति में रमी हुई है। उनका साहित्य न केवल भक्ति का मार्ग दिखाता है बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा, आदर्श और अनुशासन का संदेश भी देता है।

तुलसीदास की जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं है, यह उस कालजयी चेतना का उत्सव है जिसने हिंदी साहित्य को उसका गौरव दिलाया, जिसने समाज को भक्ति और नीति का आधार प्रदान किया और जिसने एक ऐसे राम को जनमानस में प्रतिष्ठित किया, जो केवल मंदिरों में नहीं बल्कि प्रत्येक हृदय में बसे हैं। इस अवसर पर हमें यह स्मरण करना चाहिए कि तुलसीदास का जीवन और साहित्य केवल भूतकाल की विरासत नहीं अपितु वर्तमान और भविष्य के लिए दिशा-निर्देश हैं। उनकी रचनाओं में वह शक्ति है, जो मानव को आत्म-चिंतन, आत्म-निर्माण और आत्म-समर्पण की ओर प्रेरित करती है। यही कारण है कि युग बदलते गए पर तुलसीदास की काव्यधारा अविरल बहती रही और आगे भी बहती रहेगी। उनके शब्दों में राम के आदर्श हैं, जीवन का सत्य है और भक्ति का वह अमृत है, जो युगों तक अमर रहेगा।

(लेखिका डेढ़ दशक से शिक्षण क्षेत्र से संबद्ध हैं)

(यह ले खिका के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात् निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

विचार मंथन

ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा में किसी सवाल का जवाब नहीं?

(लेखक-सनत जैन/)

जवाब की जगह इतिहास के पीछे छिपी सरकार

लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चल रही बहस मंगलवार को समाप्त हो गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में जवाब दिया। विपक्षी द्वारा जो सवाल उठाए गए थे. उसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार का पक्ष रखा। विपक्ष ने जहां एक-एक मुद्दे पर सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा किया। वहीं सरकार ने 1948 से लेकर मनमोहन सिंह के कार्यकाल के पीछे छुपकर विपक्षी सांसदों ने जिन सवालों के जवाब सरकार से मांगे थे। वह उन्हें सदन में नहीं मिले. ऑपरेशन सिंदूर की 16 घंटे की बहस में विपक्ष ने सत्ता पक्ष की जवाबदेही को लेकर कई गंभीर प्रश्न किये थे। 'विशेष चर्चा' के नाम से संसद में पहली बार चर्चा की गई। 'स्पेशल डिस्कशन' जैसी कोई प्रक्रिया का उल्लेख नियमों एवं परंपरा में नहीं है। विपक्ष ने शुरुआत में आपत्ति जताई थी, बहस किसी नियम या परंपरा के स्थान पर सरकार ने नए ढंग से सदन में चर्चा कराई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बयान जिसमें उन्होंने कहा यदि विपक्षी सांसद शांत नहीं रहे, तो कल सत्ता पक्ष के सांसद भी राहुल गांधी को बोलने नहीं देंगे। ऐसी धमकी बहुत कम सुनने को मिलती है। विपक्ष, विदेश मंत्री के भाषण पर आपत्ति कर रहा था। अमित शाह का यह बयान संसद की गरिमा और स्पीकर की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के भाषण की बात करें, तो उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम हमले, भारत-पाक युद्धविराम और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया. उनका 40 से 50 मिनट का भाषण ज्वलंत सवालों के जबाब के बजाय, जबाब ने और उलझा दिया। उन्होंने कहा 22 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। बाद में भी सरकार की ओर से जिन वक्ताओं ने जवाब दिए उसमें से चीन और ट्रंप पुरी तरह से गायब रहे। विदेश मंत्री ने अगर बातचीत नहीं हुई तो डोनाल्ड ट्रंप ने कैसे पहले ट्वीट कर युद्धविराम की जानकारी दी? इसका भी जबाब नहीं दिया। विपक्षी सांसदों ने ट्रंप द्वारा विभिन्न मंचों से करीब 26 बार युद्ध विराम ट्रेड के आधार पर कराने का दावा किया. इसके बाद भी सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया. विपक्ष द्वारा आपत्ति किए जाने पर अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, विपक्ष को अपने विदेश मंत्री पर भरोसा करना चाहिए.वह शपथ लेकर आए हैं।

राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में ट्रंप का नाम तक नहीं लिया। नाहि विपक्ष ने किसी सवाल का सीधा जबाब नहीं दिया। प्रियंका गांधी ने बड़े आक्रामक ढंग से सदन में अपनी बात रखी, पिन पॉइंट सवाल पूछे, उन्होंने अपने पिता की शहादत और मां की वेदना का भी जिक्र किया। सरकार की ओर से जवाब नहीं मिलने से विपक्ष को हमलावर होने का अवसर मिला, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में जिस आक्रामक तरीके से अपनी बात रखी। देश में राहुल गांधी की नई छवि सामने आई है। सीमित समय पर उन्होंने तथ्यों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर सीधे वार किये। सदन में राहुल गांधी अपना पक्ष रख रहे थे. उन्हें बड़े ध्यान से सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद सुन रहे थे। संसद में राहुल गांधी ने जिस तरह हाव भाव के साथ हिंदी अग्रेजी में अपना पक्ष रखा। उसके बाद अब कोई उन्हें पप्पू नहीं कहेगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में लगभग 2 घंटे का अपना सबसे लंबा भाषण दिया. उन्होंने भी विपक्ष के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया. उलटे 1948 से लेकर 2014 तक के इतिहास को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर हमलावर रहे. ऑपरेशन सिंदूर में हो रही विशेष बहस के दौरान सत्ता पक्ष के बीच में वह जोश खरोश देखने को नहीं मिला. जो प्रधानमंत्री की उपस्थिति में देखने को मिलता था। प्रधानमंत्री के भाषण में भी वह आकर्षण नहीं था, जो पहले होता था।

ऑपरेशन सिंदूर की सबसे बड़ी खासियत यह रही, विपक्ष को अपनी बात कहने और रिकॉर्ड पर लाने का मौका मिला। गृहमंत्री और विदेश मंत्री का इस्तीफा भी विपक्ष ने मांग लिया। यह बहस बिना किसी नियम कानून के हो रही थी. विपक्ष के प्रस्ताव पर सबसे पहले सदन के अंदर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले/ समापन भाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुआ। जिसके कारण विपक्ष को जवाब नहीं मिलने के बाद भी वह सदन में खड़े होकर अपनी बात नहीं रख पाए।

अब यह देखना दिलचस्प होगा, राज्यसभा में होने वाली चर्चा में क्या सरकार की ओर से कोई जवाब सामने आता है। इतना तय है 'ऑपरेशन सिंदूर' सुरक्षा से जुडा अभियान नहीं रहा, एक कूटनीतिक और राजनीतिक मंथन का विषय बन गया है।

विपक्षी सदस्यों का विशेष रूप से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से सरकार को ऑपरेशन सिंदूर की बहस में घेरा है। उसमें विपक्ष का जो आत्मविश्वास झलक रहा था। बहुत लंबे समय के बाद सदन में इस तरह की बहस देखने और सुनने को मिली है। इसके साथ सरकार आपरेशन सिंदूर का जो फायदा बिहार चुनाव में लेने जा रही थी। विपक्ष ने उसमें पलीता लगा दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 63 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । देश के आठ प्रमुख शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों की बेहतर मांग के कारण औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 2025 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट हुई है। रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली एक फर्म ने बताया कि वर्ष जनवरी-जून के दौरान पट्टे पर दिए गए कुल स्थानों में से 32 प्रतिशत स्थान 'थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों को दिए गए जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। फर्म से जुड़े जानकार ने कहा, ''3पीएल और ई-कॉमर्स का प्रभुत्व दिखाता है कि किस प्रकार तेजी से विकसित हो रही उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास की अगली लहर प्रीमियम, टिकाऊ और प्रौद्योगिकी-सक्षम सुविधाओं द्वारा परिभाषित होगी। फर्म के अनुसार, जनवरी-जून 2025 के दौरान औद्योगिक स्थानों और गोदामों की आपूर्ति 1.67 करोड़ वर्ग फुट रही। इस अवधि में कुल आपूर्ति में बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का योगदान 57 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट सलाहकार ने 2025 की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन के साथ उम्मीद जाहिर की हैं कि दूसरी छमाही में भी मांग मजबूत बनी रहेगी।

अगस्त में बैंक 14 दिन रहेंगे बंद, जानें 5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा कौन-कौन हैं अवकाश के दिन

नई दिल्ली। अगले माह यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन के लिए बैंक में काम-काज नहीं होगा। अगस्त माह में 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन ऐसे हैं जो अलग-अलग जगहों पर बैंकों में अवकाश रहने वाला है।अब यदि अगस्त माह में आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम-काज करना है तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। दरअसल अगस्त माह में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे यहां देखें- रविवार- 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त और 31 अगस्त को होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। वहीं दूसरे और चौथे शनिवार यानी 09 अगस्त और 24 अगस्त को बैंक में काम-काज नहीं होगा।

15 से 17 तक 3 दिन बैंक बंद

देश की ज्यादातर जगहों पर 15 से 17 अगस्त तक लगातार 3 दिन बैंकों में कारोबार नहीं होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को जन्माष्टमी/कृष्ण जयंती और 17 अगस्त को रविवार के चलते बैंकों में काम-काज नहीं होगा। वहीं असम में 23 से 25 अगस्त तक बैंकों में अवकाश रहेगा।

ऑनलाइन बैंकिंग से निपटाएं काम

बैंकों में अवकाश के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के माध्यम से पैसे का लेन-देन या अन्य काम किए जा सकते हैं। इस तरह से ऑनलाइन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

ऑनर जल्द ही एक नया फ्लैगशिप फोन कर सकती है लॉन्च

नई दिल्ली । स्मार्टफोन निर्माण करने वाली कंपनी ऑनर जल्द ही एक नया फ्लैगशिप फोन लॉन्च कर सकती है। इसका नाम हॉनर मैजिक 8 अल्ट्रा होने की संभावना है। एक नई लीक ने बाजार में हलचल मचा दी है। टेक टिपस्टर फिक्स्ड फोकस डिजिटल के मुताबिक, कंपनी एक ऐसा स्मार्टफोन ला रही है जिसमें दो 200 मेगापिक्सल के कैमरे होंगे। इसमें एक मेन कैमरा और एक पेरिस्कोप टेलिफोटो लेंस शामिल हो सकता है, जो लो-लाइट फोटोग्राफी और टेलिस्कोपिक जूम के लिए शानदार अनुभव देगा। ऑनर का यह डिवाइस सीधे तौर पर सैमसंग गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा, शाओमी 16अल्ट्रा, वीवो एक्स300 अल्ट्रा और ओप्पो फाइंड एक्स9 अल्ट्रा जैसे हाई-एंड स्मार्टफोन्स को टक्कर देगा। इससे पहले भी ऑनर मैजिक 7 आरएसआर पोर्श एडिशन जैसे फोन में पेरिस्कोप लेंस देखने को मिला है। ऑनर की सुपर जूम तकनीक और 100 एक्स एआई-पावर्ड डिजिटल जूम इसे प्रतिस्पर्धियों से अलग बनाती है।

टॉप टूरिज्म डेस्टिनेशन सूची में न्यूज़ीलैंड टॉप पर भारत ने पाया तीसरा स्थान

मेहमान नवाज़ी और लग्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

नई दिल्ली।

भारत ने पर्यटन के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। ब्रिटेन के एक अखबार की टॉप टूरिज्म डेस्टिनेशन लिस्ट में भारत तीसरे नंबर पर है। इस सूची में न्यूज़ीलैंड पहले और जापान दूसरे नंबर पर है, जबकि अमेरिका और चीन जैसे बड़े देश भारत से भी पीछे हैं। भारत की मेहमान नवाज़ी और लग्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है। ओबेरॉय होटल्स को दुनिया का नंबर 1 होटल ब्रांड और ताज होटल को तीसरा स्थान मिला है। 2024 में अब तक 50 नए होटल लॉन्च किए हैं और 2030 तक 700 होटल्स का लक्ष्य है। इसी दौड़ में फ्रांस का एकॉर ग्रुप भी शामिल है, जो अपने होटल्स को तीन गुना तक बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।

भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 3,000 डॉलर पार कर चुकी है, जिससे देश में ट्रैवल हैबिट्स तेजी से बदले हैं। लोग अब साल में कई बार देश और विदेश की यात्राएं कर रहे हैं। इससे घरेलू पर्यटन को मजबूती मिल रही है। भारत में इस समय करीब दो लाख ब्रांडेड होटल रूम्स हैं, जो आबादी के अनुपात में काफी कम हैं।

जानकारी के मुताबिक डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अब सिलीगुड़ी नई पसंद बनता जा रहा है। बिहार और बंगाल के कई परिवार इस शांत हिल स्टेशन को विवाह स्थलों के रूप में चुन रहे हैं। मेफेयर के बाद अब ताज, आईटीसी और हयात जैसे बड़े ब्रांड्स भी यहां होटल्स खोलने की योजना बना रहे हैं। करोड़ों रुपए खर्च करने वाले परिवारों के लिए 100 कमरों वाले होटल भी पर्याप्त नहीं रह गए हैं। भारत का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर अब केवल विकास नहीं बल्कि बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.45 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संशय को देखते हुए निवेशकों की धारणा कमजोर रहने से आई है। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87 के स्तर से नीचे पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों की ओर से माह के अंत में डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी रुपये पर दबाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया नकारात्मक रुख के साथ खुला और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.15 के निचले स्तर तक पहुंच गया। इसका पिछला बंद भाव 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को चार महीने से भी अधिक के निचले स्तर पर खिसक गया था। यह 21 पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.91 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ ही 98.77 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 72.59 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

डिजिटल भुगतान इस साल मार्च तक 10.7 प्रतिशत बढ़ाः आरबीआई आंकड़ा

मुंबई । देश में इस साल मार्च तक डिजिटल भुगतान में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। आरबीआई के सूचकांक से इसकी जानकारी मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक जनवरी, 2021 से डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) प्रकाशित कर रहा है। इसमें देश भर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को दिखाने के लिए मार्च, 2018 को आधार वर्ष माना गया है। आरबीआई ने कहा कि मार्च, 2025 के लिए सूचकांक 493.22 है, जबकि सितंबर, 2024 में यह 465.33 और मार्च, 2024 में 445.5 था। छमाही आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई-डिजिटल भुगतान सूचकांक बढ़ने का कारण देशभर में भुगतान बुनियादी ढांचाज आपूर्ति-पक्ष कारक और भुगतान प्रदर्शन जैसे मापदंडों में उल्लेखनीय वृद्धि है।'' आरबीआई-डिजिटल भुगतान मंच में पांच व्यापक मानदंड शामिल हैं जो विभिन्न समय अवधि में देश में डिजिटल भुगतान की गहनता और पहुंच को मापने को सक्षम बनाते हैं।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई है। दिन के कारोबार के अंत तक 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 140 अंक ऊपर आकर 81481 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 24,800 के करीब बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर भी लाभ में रहे। टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, और इन्फोसिस के शेयर नुकसान में रहे। आज बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर लगभग 80,000 करोड़ रुपये बढ़कर 452.24 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले कारोबारी दिन को 451.44 लाख करोड़ रुपये रहा था। इससे साफ है कि निवेशकों की संपत्ति में लगभग 80,000 करोड़ रुपये की बढ़त आई है। आज वैश्विक संकेतों में सुधार और निवेशकों की सकारात्मक धारणा से भी बाजार को लाभ हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट बंद हुए। वहीं आईटी , मेटल, फार्मा सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं ऑटो, रियल्टी, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में दबाव देखने को मिला। अमेरिकी फे रिजर्व की बैठक को लेकर निवेशकों में सतर्कता थी, जिससे ग्लोबल स्तर पर भी अनिश्चितता देखने को मिली। इसके साथ ही भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में संभावित टैरिफ को लेकर चिंता का माहौल बना रहा, जिससे विदेशी निवेशकों की धारणा थोड़ी कमजोर रही। जिससे भी बाजार पर दबाव आया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथा खुला। आज सुबह सेंसेक्स 168 अंक बढ़कर 81,506 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 55 अंक ऊपर आकर 24,877 पर खुला। एलएंडटी के अच्छे तिमाही परिणामों के कारण शुरुआती कारोबार में इन्फ्रा शेयरों में बढ़त रही है और निफ्टी इन्फ्रा इंडेक्स 0.61 फीसदी ऊपर आया।

आज एशिया के अधिकतर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल में शेयर हरे निशान में थे, जबकि हांगकांग और जकार्ता में नुकसान के साथ हीलाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली का सिलसिला जारी रखते हुए 4,636 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

सेबी ने दी मंजूरी....भारत में भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए

मुंबई ।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत में आंशिक (फैक्शनल) शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए एक स्टार्टअप के प्रस्ताव को मंजूर किया है। यह निर्णय भारतीय इक्विटी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि निवेशक अब पूरे शेयर खरीदने के बजाय उसके एक या कुछ हिस्से का व्यापार कर सकते है। दरअसल आंशिक शेयर ट्रेडिंग वह व्यवस्था है जहाँ निवेशक एक पूरे शेयर की खरीद-फरोख्त के बजाय उसके एक छोटे हिस्से का व्यापार कर सकते हैं। यह प्रणाली अमेरिका जैसे देश में काफी लोकप्रिय रही है। यह उन निवेशकों के लिए फायदेमंद है जो अधिक महंगे शेयरों में निवेश करना चाहते हैं लेकिन उनके पास पूरे शेयर खरीदने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं होती।

इसके लिए सेबी ने एक बड़ा कदम उठाकर भारत में आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए मंजूरी दी है। यह निर्णय सेबी के 2021 के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दिखाता है, जब सेबी ने इसी तरह के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जनवरी 2021 में, ज़ीरोधा और स्टॉक हिस्सा डॉट कॉम ने आंशिक शेयर ट्रेडिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन उनके आवेदन को नियामक ने खारिज कर दिया था। उस समय, उनका मॉडल एक होल्डिंग इकाई पर निर्भर था जो पूरे शेयर खरीदती और फिर उसका हिस्सा बेचती, जिससे नियामकीय और संरचनात्मक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती थीं। लेकिन इस महीने की शुरुआत में, बेंगलूरु की जॉल्ट्स भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग का परीक्षण करने के लिए सेबी के इनोवेशन सैंडबॉक्स में शामिल हुई थी। जॉल्ट्स के सह-संस्थापक नीरज सिंह ने बताया कि अगले 3 से 4 महीनों में कंपनी सेबी और बाजार के अन्य भागीदारों के समक्ष विभिन्न उपयोग-मामलों का प्रदर्शन करेगी।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि उनके सफल आवेदन का मूल आधार संरक्षण का ढांचा था, जिसमें आंशिक शेयर ब्रोकर के पास रहने की बजाय डिपॉजिटरी में रखे जाएंगे।

बैंकों में 5 दिन काम-काज को लेकर बोली सरकार- फैसला अभी नहीं

नई दिल्ली।

बैंकों के काम-काज दिवस को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल बैंक कर्मचारियों की लंबे समस से मांग रही कि बैंक के काम-काज सप्ताह में 5 दिन ही हों, ऐसे में वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि फैसला अभी नहीं लिया गया है। बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए यह खबर इसलिए भी अहम है, क्योंकि लंबे समय से बैंक कर्मचारियों की मांग रही है कि सप्ताह में 5 दिन बैंकिंग काम-काज हो। इसे देखते हुए सरकार ने सदन में एक बड़ा ऐलान कर दिया है। सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में 28 जुलाई 2025 को बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) ने सभी शनिवार को बैंक में अवकाश रखने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन अभी इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। फिलहाल यह प्रस्ताव विचाराधीन है। इस संबंध में ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन (एआईबीओसी) का कहना है कि सभी शनिवार बैंक बंद रखे जाते हैं तो कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी, वेल-बीइंग और कार्यसंस्कृति में सुधार होगा। वर्तमान में सरकारी बैंकों में महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है। जबकि पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को बैंकों में काम-काज होता है।

महंगाई कम, फिर भी जोखिम बरकरारः आरबीआई को ब्याज दरों पर लेना होगा सावधानीपूर्वक निर्णय

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए ब्याज दरों पर सावधानीपूर्वक विचार करना जरुरी है, भले ही हाल ही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई है। यह कमी काफी हद तक खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.7 प्रतिशत ही, जो आरबीआई के 2.9 प्रतिशत के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई मुद्रास्फीति के औसतन 3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 में दर्ज 4.6 प्रतिशत से काफी कम है। यह जुलाई-सितंबर की अवधि में लगभग 2.5 प्रतिशत और अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में 2.6 प्रतिशत तक हो सकती है।

हालांकि मौजूदा स्थिति अनुकूल दिख रही है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं रहेगी। इस साल की तेज गिरावट अगले वित्त वर्ष के लिए एक प्रतिकूल आधार प्रभाव पैदा करेगी। अनुमान है कि अप्रैल-जून 2026 में मुद्रास्फीति बढ़कर 5 प्रतिशत होगी, और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2026 के संभावित औसत 3 प्रतिशत से काफी अधिक है।

अतीत में भी ऐसा देखा गया है कि कम मुद्रास्फीति की अवधि के बाद इसमें तेजी से वृद्धि हुई है। नवंबर 2018 से जनवरी 2019 तक सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत थी, लेकिन एक साल बाद आधार प्रभाव और बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण यह 7.5 प्रतिशत से अधिक हो गई। जून 2017 में सीपीआई मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई थी, लेकिन 2018 के मध्य तक यह करीब 5 प्रतिशत हो गई।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए निहितार्थ

इस पृष्ठभूमि में, एमपीसी को संयम बरतना होगा। यदि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मुद्रास्फीति 5 प्रतिशत तक बढ़ जाती है और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहती है, तब वास्तविक ब्याज दर कम होकर 50-100 आधार अंक होगी। यदि रेपो दर में और कटौती करके 5 प्रतिशत कर दिया जाता है,वास्तविक दर और घटकर शून्य तक हो जाएगी, जो मध्यम अवधि की व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए आदर्श स्थिति नहीं हो सकती है।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धिदर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 और 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। दोनों ही आंकड़ों में थोड़ा संशोधन किया गया है, जो अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में ज्यादा अनुकूल बाहरी वातावरण को दर्शाता है। आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अपने अनुमान को 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को भी 10 आधार अंक (बीपीएस) बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में वैश्विक विकास दर 3.0 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो अप्रैल 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य से ऊपर की ओर संशोधन है। यह टैरिफ से पहले अग्रिम भुगतान, कम प्रभावी टैरिफ दरों, बेहतर वित्तीय स्थितियों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में राजकोषीय विस्तार को दर्शाता है।

रिपोर्ट में आगे कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी मुद्रास्फीति के लक्ष्य से ऊपर रहने का अनुमान है। संभावित रूप से उच्च टैरिफ, बढ़ी हुई अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव से नकारात्मक जोखिम बना हुआ है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, 2025 में विकास दर 4.1 फीसदी और 2026 में 4.0 फीसदी रहने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति 2025 में 4.2 फीसदी और 2026 में 3.6 फीसदी गिरने की उम्मीद है, जो अप्रैल में अनुमानित दर के समान है।

आईएमएफ रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूईओ के लिए जोखिम नकारात्मक दिशा में बने हुए हैं, जैसा कि अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में था। प्रभावी टैरिफ दरों में उछाल से विकास दर कमजोर हो सकती है। बढ़ी हुई अनिश्चितता गतिविधियों पर भारी पड़ सकती है, साथ ही अतिरिक्त टैरिफ की समय सीमा भी समाप्त हो रही है, जबकि ठोस, स्थायी समझौतों पर प्रगति नहीं हो रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक विखंडन की चिंताओं के साथ वित्तीय बाजारों में अस्थिरता फिर से पैदा हो सकती है।

जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगा अंबानी परिवार

बैठक में होगा इसका फैसला

मुंबई ।

देश का दिग्गज कारोबारी परिवार अंबानी जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकता है। घटनाक्रम के जुड़े शख्स ने बताया कि कंपनी का प्रवर्तक अंबानी परिवार जियो वित्तीय सेवा में अपनी हिस्सेदारी 5 फीसदी तक बढ़ा सकता है। इससे कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी मौजूदा 47 से बढ़कर 51 फीसदी से अधिक होगी। नए शेयर का भाव 320 से 325 रुपये के बीच रह सकता है। हालांकि यह कंपनी बोर्ड और नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर जियो वित्तीय का शेयर बुधवार को 321 रुपये पर बंद हुआ जिससे इसका कुल बाजार पूंजीकरण 2.03 लाख करोड़ रुपये रहा। अंबानी परिवार अपनी वित्तीय सेवा इकाई में ताजा पूंजी डालने वाला अकेला नहीं है। इस महीने की शुरुआत में अदार पूनावाला के स्वामित्व वाली कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प ने 1,500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिससे इसकी नेटवर्थ बढ़कर 9,700 करोड़ रुपये हो गई और खुदरा ऋण कारोबार में कंपनी की विस्तार की रणनीति को भी बल मिला। टाटा संस की गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी टाटा कैपिटल इस साल सितंबर से पहले 2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना तैयार कर रही है। आईपीओ से मिलने वाले पैसों का उपयोग कंपनी तेजी से बढ़ते भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए करेगी। जियो वित्तीय जुलाई 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग कंपनी बनी थी। यह तेजी से ऋण, बीमा और परिसंपत्ति प्रबंधन में अपना विस्तार कर रही है और भारतीय वित्तीय सेवा बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए जियो वित्तीय को नई पूंजी की आवश्यकता है। बैंकरों ने कहा कि बीमा सहित व्यापक बाजार में प्रवेश से पहले ताजा पूंजी निवेश से कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होने की उम्मीद है। 19 जुलाई को जियो वित्तीय सर्विसेज ने म्यूनिख के आलियांज समूह के साथ इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी आलियांज यूरोप बी.वी. के माध्यम से पुनर्बीमा क्षेत्र में 50-50 फीसदी हिस्सेदारी वाला संयुक्त उपक्रम बनाने का समझौता किया है।

टाटा मोटर्स कर रही एलविको से डील! निवेशक हुए निराश, गिरे कंपनी के शेयर

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स यूरोप की जानी-मानी ट्रक निर्माता कंपनी एलविको को करीब 4.5 अरब डॉलर यानी करीब 37,000 करोड़ रुपए में खरीदने की तैयारी कर रही है। यह सौदा टाटा ग्रुप का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा होगा। इससे पहले 2007 में टाटा स्टील ने कोरस ग्रुप को 12 अरब डॉलर में खरीदा था। इस डील ने टाटा मोटर्स के निवेशकों को निराश किया है। कंपनी के शेयर करीब पौने चार फीसदी टूट गए। टाटा मोटर्स के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई से 45 फीसदी से ज्यादा टूटे जबकि मार्केट हरे निशान पर है और सेंसेक्स-निफ्टी में भी बढ़त है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि टाटा मोटर्स और एलविको के बोर्ड इस प्रस्ताव पर मुहर लगा सकते हैं। इसके बाद सौदे की औपचारिक घोषणा की जाएगी। टाटा मोटर्स, इटली के ट्यूरिन स्थित एलविको में फिलहाल एक्सॉर की 27.1 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। एक्सॉर, इटली की प्रतिष्ठित फैमिली की निवेश कंपनी है, जिसके पास एलविको में 43.1 फीसदी वोटिंग राइट्स भी हैं। यह डील टाटा मोटर्स के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। 2008 में कंपनी ने जगुआर-लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में खरीदा था, लेकिन एलविको अधिग्रहण उससे भी बड़ा होगा।

इस सौदे के बाद टाटा मोटर्स का वाणिज्यिक

वाहन कारोबार तीन गुना तक बढ़ सकता है अनुमान लगाया जा रहा है कि इसका रेवेन्यू 75,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2 लाख करोड़ से अधिक हो जाएगा। एलविको इस अधिग्रहण से पहले अपने डिफेंस डिवीजन को अलग कर रही है, जो इस डील का हिस्सा नहीं होगा। इटली सरकार के लिए एलविको का डिफेंस बिजनेस संवेदनशील है, इसलिए इसे रणनीतिक रूप से बाहर रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह की अनुपस्थिति में सीरीज में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम चौथा टेस्ट साहसिक ढंग से ड्रा कराने के बाद नए उत्साह से इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है।

भारत और इंग्लैंड की टीमें गुरूवार को जब ओवल के मैदान पर उतरेंगी, तो बहुत कुछ दांव पर होगा। जहां पिछले मैच की ड्रॉ से उत्साहित भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपना बनाकर सीरीज को भी अपना बनाना चाहेगी। लॉर्ड्स और मैनचेस्टर टेस्ट का अंत बहुत नाटकीय ढंग से हुआ था और जिस तरह से ओवल में अभ्यास सत्र की शुरूआत हुई है, उससे इस मैच के भी बेहद ही रोचक होने की संभावना है।

मैनचेस्टर और ओवल टेस्ट के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर है, इसलिए वकर्लोड मैनेजमेंट के कारण भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेलेंगे और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। चूंकि पिछले मुकाबले में डेब्यू करते हुए अंशुल कम्बोज प्रभावित नहीं कर पाए थे, इसलिए उनकी जगह आकाशदीप ले सकते हैं, जो कि जांघ की चोट से वापस आ रहे हैं।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया है कि यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि मेडिकल टीम ने बुमराह, भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के साथ मिलकर यह फैसला किया था कि वह इंग्लैंड दौरे के दौरान पांच में से केवल तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे। बुमराह हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में खेले, एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर बैठे, जिसे भारत ने जीता, और उसके बाद लॉर्ड्स और पिछले हफ्ते ओल्ड ट्रैफर्ड में हुए अगले दो टेस्ट में खेले।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे दिन की सुबह से बुमराह ने कोई गेंदबाजी नहीं की थी और साथ ही आखिरी दो टेस्ट मैचों के बीच तीन दिन का ब्रेक भी है, ऐसे में भारत अपनी मूल योजना में बदलाव करने पर विचार कर सकता है, खासकर ओवल में जीत के साथ सीरीज 2-2 से बराबर करने की संभावना को देखते हुए।

उन्होंने 33 ओवरों में दो विकेट लिए, जो एक पारी में उनके द्वारा फेंके गए सर्वाधिक ओवर थे, और पहली बार उनके रनों का आंकड़ा 100 के पार पहुंचा। जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ी, प्रत्येक टेस्ट की पहली पारी में 140 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदें फेंकने की संख्या भी हेडिंग्ले में 42.7 से घटकर लॉर्ड्स में 22.3 और ओल्ड ट्रैफर्ड में 0.5 हो गई।

बुमराह वर्तमान में सीरीज में 14 विकेट लेकर मोहम्मद सिराज के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। मैनचेस्टर में ड्रॉ के बाद भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि बुमराह अंतिम टेस्ट के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन दो दिन बाद भारत ने उन्हें आराम देने का फैसला किया। बुमराह की जगह कौन लेगा, यह मंगलवार को भारत के वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र में स्पष्ट हो गया।

कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप ने हरी-भरी अभ्यास पिचों पर गेंद को अच्छी तरह से सीम करते हुए आसानी से अपनी लय पकड़ ली। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट में, जो दिसंबर में मेलबर्न के बाद उनका पहला टेस्ट था, आकाशदीप ने मैच में दस विकेट लिए, जिसमें इंग्लैंड की दूसरी पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ 99 रन देकर 6 विकेट लेना भी शामिल है, जिसमें उन्होंने एक हल्की पिच से मूवमेंट हासिल किया। हालांकि, लॉर्ड्स में अगले टेस्ट में, आकाश

को निरंतरता बनाए रखने में दिक्कत हुई, खासकर पवेलियन एंड से ढलान पर गेंदबाजी करते हुए।

उन्होंने टेस्ट में सिर्फ एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियां आकाश को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। फिर भी, गिल और गंभीर को गेंदबाजी आक्रमण में सही संतुलन बनाने की चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती मुख्य रूप से तीन अन्य तेज गेंदबाजों, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज, के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण है, जिन्होंने अब तक श्रृंखला में हिस्सा लिया है।

प्रसिद्ध दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि ठाकुर और कंबोज को ओल्ड ट्रैफर्ड में अपने पहले स्पैल के बाद बमुश्किल ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। बुमराह की अनुपस्थिति में, सभी टेस्ट खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज, सिराज, एक बार फिर तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे। सिराज ने इस श्रृंखला में तेज गेंदबाजों में चौथे सबसे अधिक ओवर - 139 - फेंके हैं, लेकिन उन्होंने अपनी तीव्रता कम नहीं होने दी है। भारत उनके कार्यभार और फिटनेस को लेकर चिंतित होगा, लेकिन उनके पास सिराज को खिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। फिर भी, भारत को तीसरे तेज गेंदबाज के बारे में फैसला करना होगा।

टीम इंडिया ने पाकिस्तान के साथ खेलनें से किया इंकार, भारत का टूर्नामेंट में सफर हुआ समाप्त

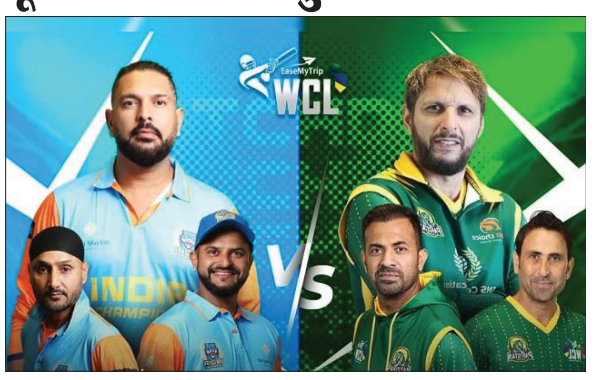

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) 2025 के बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला अब नहीं होगा। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा मैच में खेलने से इनकार करने के बाद यह फैसला लिया गया है। इस निर्णय के साथ ही भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में चार टीमों ने जगह बनाई थी। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका। सेमीफाइनल मुकाबला 31 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच बर्मिंघम में खेला जाना था, लेकिन अब यह मुकाबला नहीं होगा।

भारतीय खिलाड़ियों का खेलने से इनकार

पीटीआई के सूत्रों के अनुसार, भारत चैंपियंस लीग का प्रतिनिधित्व कर रहे पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान चैंपियंस लीग के खिलाफ सेमीफाइनल खेलने से इनकार कर दिया। इससे पहले ग्रुप स्टेज में भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं हो सका था। इस फैसले के पीछे भारतीय खिलाड़ियों की व्यक्तिगत और राष्ट्रीय भावना को अहम कारण माना जा रहा है, हालांकि आयोजकों की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है।

मुरली श्रीशंकर की नजरें विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर की नजरे अब सितंबर में टोक्यों में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। इसके लिए वह अगले माह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे। श्रीशंकर ने हाल ही में पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट में माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता था।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की छलांग के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर कीछलांग लगाई। तीसरी छलांग में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला तय किया। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। गौरतलब है कि घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की थी। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली

रविंद्र जडेजा विश्व के नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर, अभिषेक टी20 में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई(एजेंसी)। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक हरफनमौला के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जबकि अभिषेक शर्मा पहली बार टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे। आईसीसी टेस्ट क्रिकेटरों की ताजा रैंकिंग में जडेजा के पास 117 रेटिंग अंकों की बढ़त हो गई है जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर टी20 रैंकिंग में एक साल से शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़कर भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नंबर एक पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज शर्मा के अब 829 रेटिंग अंक हैं जबकि हेड 814 अंक के

साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'जडेजा ने 107 रन की नाबाद पारी और चार विकेट लेकर हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बढत बना ली है।' इसमें कहा गया, 'उसने 13 रेटिंग अंक हासिल किए है और कुल 422 अंक के साथ वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक आगे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह पांच पायदान चढ़कर 29वें और गेंदबाजों में एक पायदान चढकर 14वें स्थान पर हैं।'

वॉशिंगटन सुंदर आठ पायदान चढ़कर 65वें स्थान पर हैं जिन्होंने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी करके मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया था। टेस्ट क्रिकेट में जो रूट शीर्ष बल्लेबाज हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे स्थान पर है। गेंदबाजों में चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले जोफ्रा आर्चर 38 पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए हैं। क्रिस वोक्स एक पायदान ऊपर 23वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट दसवें और जाक क्रॉली 43वें स्थान पर आ गए हैं।

बेन स्टोक्स 5वें टेस्ट से बाहर, इंग्लैंड ने प्लेइंग 11 में किए बड़े बदलाव

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ द ओवल में होने वाले अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव हुए हैं। इंग्लैंड चयन समिति ने बुधवार को टीम में बदलावों की घोषणा की, जिसमें जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। स्टोक्स की अनुपस्थिति में कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप को सौंपी गई है। टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए सरे के गेंदबाज गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। जैकब बेथेल संभवतः छठे नंबर पर खेलेंगे, जिससे इंग्लैंड के मध्य क्रम में नई प्रतिभाएं जुड़ेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जेमी स्मिथ संभालेंगे, जो स्टंप के पीछे अपनी जगह बनाए रखेंगे। चोटिल बेन स्टोक्स की जगह ओली पोप को कार्यवाहक कप्तान नियुक्त किया गया है। बल्लेबाजी क्रम में जैक क्रॉली और बेन डकेट अपनी सलामी जोड़ी बनाए रखेंगे, उनके बाद पोप तीसरे और अनुभवी रूट चौथे नंबर पर होंगे।

सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, 'वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये।' उन्होंने साथ ही कहा कहा, 'मुझे अब भी लगता है कि वॉशिंगटन सुंदर की भूमिका ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, क्योंकि वह बहुत देर से गेंदबाजी के लिए आते हैं और बहुत कम गेंदबाजी करते हैं। गेंदबाज के तौर पर उन्होंने दो भी विकेट लिए हैं। वह एक अच्छे बल्लेबाज नजर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके पास आर अश्विन जैसा गेंदबाजी कौशल है। मुझे नहीं पता कि वह एक दिन उस जैसा गेंदबाज बनेगा या नहीं, लेकिन वह अभी जो कर रहा है वह काफी अच्छा है।

ओवल टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल का बयान, पिच क्यूरेटर से गौतम गंभीर की लड़ाई पर तोड़ी चुप्पी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला गुरुवार, 31 जुलाई से होने वाला है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ओवल मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से बहस के कारण चर्चा में हैं। इस मामले पर अब कप्तान शुभमन गिल की 5वें टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस बीच गिल ने गंभीर और क्यूरेटर के बहस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

शुभमन गिल ने गंभीर और पिच क्यूरेटर की बहस पर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आया कि क्यूरेटर ने हेड कोच के साथ

बहस क्यों की। शुभमन गिल ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि कल क्या हुआ था और पिच क्यूरेटर ने ऐसा क्यों किया। हमने चार मैच खेले हैं और किसी ने हमें रोकने की कोशिश नहीं की। सभी ने बहुत क्रिकेट खेला है और कोच और कप्तान कई बार विकेट देखने गए हैं। मुझे नहीं पता कि इतना हंगामा किस बात का था।

गिल ने कहा कि, अगर कोई क्यूरेटर हमें विकेट को न देखने या तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहता है, तो ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। हम लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और जब तक आप रबर स्पाइक्स या नंगे पैर हैं, आपको विकेट को करीब से देखने की अनुमति है। ये कोच और कप्तान का काम है। इसलिए, मुझे नहीं पात कि क्यूरेटर ने हमें ऐसा करने की अनुमति क्यों नहीं दी।

ईस्पोर्ट्स शतरंज विश्व कप 2025 : क्वार्टर फाइनल में पहुँचे अर्जुन, फिरौजा, अरोनियन और कार्लसन

रियाद ,सऊदी अरब, । ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 में पहली बार शामिल शतरंज प्रतियोगिता के ग्रुप चरण पूरे हो चुके हैं और ग्रुप ए से यूएसए के लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट), ग्रुप बी से भारत के अर्जुन एरिगैसी (जेन जी ईस्पोर्ट्स), ग्रुप सी से फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा (टीम फाल्कन्स) और ग्रुप डी से मैगनस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत के अर्जुन एरिगैसी ने पहले हमवतन निहाल सरीन (एस8यूएल) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के दिग्गज जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को आर्मागेडन मुकाबले में 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। अब निहाल को क्वार्टर फाइनल में पहुँचने के लिए नीदरलैंड के अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) और मैक्सिम के खिलाफ लूज़र ब्रैकेट में जीत हासिल करनी होगी। कंपटीशन का समय नियंत्रण 10 मिनट प्रति खिलाड़ी है, जिसमें कोई इन्क्रिमेंट नहीं है। खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफ़ोन पहनने और अपनी पसंद का संगीत सुनने की अनुमति दी गई है ङ्क जो आधुनिक ईस्पोर्ट्स शतरंज के अनुरूप है। कुल पुरस्कार राशि 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि शतरंज खिलाड़ियों को उनकी ईस्पोर्ट्स टीमों के जरिए 27 मिलियन डॉलर के साझा इनाम का भी हिस्सा मिलेगा। इस बार ग्रुप्स को चार शीर्ष खिलाड़ियों ङ्क जीएम इयान नेपोमनियाची, जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, जीएम हिकारू नाकामुरा और जीएम मैग्नस कार्लसन ङ्क द्वारा चुना गया, जिन्होंने बाक़ी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट के ज़रिए किया।

आईपीएल 2026 में बदलेगी एलएसजी की किस्मत, भरत अरुण बनेंगे फ्रेंचाइजी के गेंदबाजी कोच

लखनऊ (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का दामन थाम लिया है। केकेआर से अलग होकर भरत अरुण अब एलएसजी के लिए गेंदबाजी कोच का जिम्मा संभालेंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अरुण पिछले कुछ सालों से केकेआर से जुड़े थे। साल 2025 में टीम आठवें स्थान पर रही। इसके चलते शाहरुख खान के स्वामित्व वाली ये फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है, जिसमें अभिषेक नायर और ड्वेन ब्रावो मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसी तरह चंद्रकांत पंडित और अरुण दोनों की अनुभवी जोड़ी अलग हो गई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भरत अरुण लखनऊ सुपर जाएंट्स के नए गेंदबाजी कोच नियुक्त किए हैं। फ्रेंचाइजी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया कि हां, अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

बता दें कि, पिछले सीजन में सातवें स्थान पर रहने के बाद एलएसजी अपने सहयोगी स्टाफ में बदलाव कर रही है। पिछले सीजन में एलएसजी की गेंदबाजी ने बेहतरीन प्रदर्शन नहीं किया था। मयंक यादव महज दो ही मैच खेल पाए। वहीं टीम के अन्य तेज गेंदबाज अपना प्रभाव छोड़ पाने में फेल रहे।

डेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं : सिद्धू

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है।

सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने में सक्षम नहीं है।' मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

शुभमन गिल पांचवें टेस्ट में बनाएंगे बड़ा रिकॉर्ड, 6000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से मात्र इतने रन दूर

लंदन (एजेंसी)। भारत 31 जुलाई से ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच की तैयारी कर रहा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 6000 रन पूरे करने से केवल 32 रन दूर हैं। गिल ने 112 मैचों में 46.62 की औसत और 79.92 के स्ट्राइक रेट से 5968 रन बनाए हैं। उन्होंने 25 अर्धशतक और 18 शतक लगाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रहा है।

भारतीय कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक खेले गए चार मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 8 पारियों में 90.25 की औसत से 722 रन बनाए हैं। चौथे टेस्ट की तीसरी पारी में गिल ने 103 रनों की पारी खेली, जो इस सीरीज का उनका चौथा शतक था और यह पारी मुश्किल परिस्थितियों में खेली गई। इस शतक के साथ गिल डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर की बराबरी पर आ गए, जिन्होंने टेस्ट इतिहास में एक ही सीरीज में चार शतक जड़े हैं।

ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह कमाल किया था, जबकि गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में धमाल मचाया था। गिल ने यह उपलब्धि विदेशी धरती पर और कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में हासिल की। कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में किसी अन्य खिलाड़ी ने चार शतक नहीं लगाए हैं। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ तीन शतक थे, यह रिकॉर्ड खेल के पांच महान खिलाड़ियों वारविक आर्मस्ट्रांग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के नाम था।

गिल के 103 रन ओल्ड ट्रैफर्ड में 35 सालों में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया पहला शतक था जोकि 1990 में युवा सचिन तेंदुलकर के प्रतिष्ठित 119 रनों के बाद आया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के कुल आंकड़ों के लिहाज से गिल का रिकॉर्ड लगातार मजबूत होता जा रहा है। अब उनके पास WTC युग में नौ शतक हैं, जो रोहित शर्मा के बराबर है, हालांकि गिल ने रोहित के 69 की तुलना में 67 पारियों में ऐसा किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

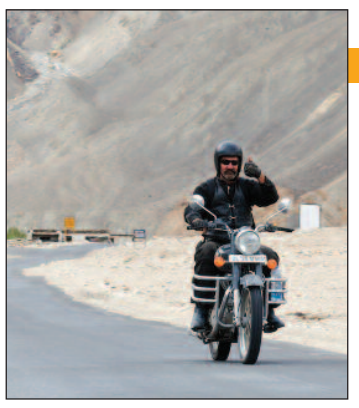

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिमा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

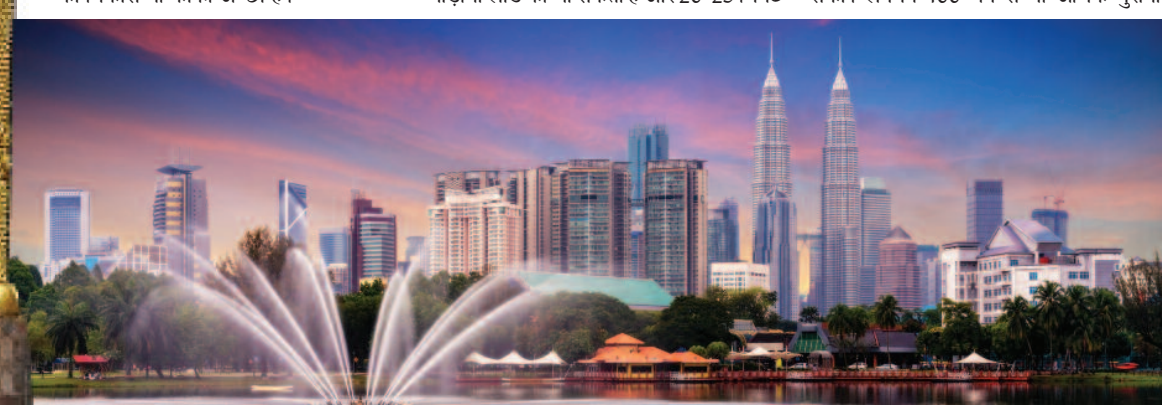

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन शिवशक्ति के तहत दो आतंकवादियों को ढेर किया गया

पुंछ (एजेंसी)। पुंछ में भारतीय सेना ने ऑपरेशन शिवशक्ति के तहत घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। यह घटना नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मालदीवलन इलाके में हुई। सेना ने आतंकवादियों के पास से तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। इसके पहले सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत 3 पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों में पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी शामिल था। अन्य दो की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई, जिसमें जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट हमले में शामिल था। इन आतंकवादियों के पास से अमेरिकी एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड बरामद किए गए थे।

कश्मीर में लगातार भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा रोकी

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में भारी बारिश से बुधवार को अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि पहलगाम और बालटाल बेस कैंप से यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। पोस्ट में लिखा है कि पहलगाम और बालटाल से अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में कश्मीर के संभागीय आयुक्त ने बताया कि बुधवार सुबह से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी दोनों आधार शिविरों से यात्रा शुरू नहीं हो पाई। अब तक 3.93 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा एक अन्य पोस्ट में यह भी जानकारी दी गई कि गुरुवार को जम्मू के भगवती नगर यात्रा शिविर से भी कोई यात्री जत्था रवाना नहीं किया जाएगा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने डिविजनल कमिश्नर के हवाले से बताया गया है कि यात्रा मार्गों पर खराब मौसम के कारण आधार शिविरों से श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित हुई है। इसलिए यह फैसला लिया गया है कि गुरुवार को जम्मू से किसी भी जत्थे को आगे नहीं भेजा जाएगा। श्रद्धालुओं को स्थिति की जानकारी समय-समय पर दी जाती रहेगी। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है।

आंध्र प्रदेश में एसआईटी की कार्रवाई, 11 करोड़ नकदी समेत शराब की खेप जब्त

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में एसआईटी ने बुधवार को छापेमारी में 11 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। यह छापेमारी हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस पर की गई। यह कार्रवाई मामले के एक आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर की। कथित शराब घोटाले में ए-40 के रूप में सूचीबद्ध वरुण पुरुषोत्तम ने इसमें अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया और कई अहम जानकारियां दी। उस आधार पर एसआईटी ने बुधवार को यहां छापा मारा, जिसमें हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस में बक्सों में छिपाकर रखी गई नकदी से संबंधित विवरण का खुलासा हुआ। एसआईटी ने शमशाबाद मंडल के काचरम स्थित सुलोचना फार्म गेस्ट हाउस से 11 करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। यह नकदी 12 बॉक्सों में छिपाकर रखी थी। एसआईटी ने यह बरामदगी घोटाले के आरोपियों के घरों और दफ्तरों पर छापेमारी में की। जांच अधिकारियों ने उसी स्थान से शराब की बड़ी खेप भी जब्त की है।

नौकरानियों ने जीता बुजुर्ग का भरोसा, फिर 85.5 लाख के जेवरातों पर किया हाथ साफ

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में तीन नौकरानियों ने एक बुजुर्ग को झांसा देकर 85.5 लाख रुपए का सोना चुरा लिया। इन नौकरानियों ने तीन महीने तक इस चोरी को अंजाम दिया। इस दौरान सोने के आभूषण, बिस्किट और सिक्के चुराए। पुलिस ने तीनों नौकरानियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक नेरुल इलाके में एक बुजुर्ग के घर पर अप्रैल और जून के बीच चोरी हुई थी। तीनों महिलाएं इस दौरान उनके घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थीं। पुलिस के मुताबिक आरोपी महिलाओं ने भरोसे का फायदा उठाया। उन्होंने करीब 900 ग्राम सोने के आभूषण, बिस्किट और सिक्के चुरा लिए। इनकी कुल कीमत 85,50,000 रुपए है। पुलिस ने बताया कि दो आरोपी महिलाएं नेरुल की रहने वाली हैं जबकि तीसरी पड़ोसी में रहती है। तीनों महिलाओं ने अपने रोजमर्रा के काम करते हुए व्यवस्थित रूप से कीमती सामान चुराया। इस दौरान बुजुर्ग की नजरों में आने से बचती रहीं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और मामले की जांच जारी है।

बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस पहुंचे अभिनेता प्रकाश राज

हैदराबाद (एजेंसी)। अभिनेता प्रकाश राज से बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेटिंग एप के प्रमोशन से जुड़े एक मामले में हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ की। यह मामला अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने और इससे जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से संबंधित है। बता दें कि मार्च में साइबराबाद पुलिस ने प्रकाश राज और कुछ अन्य अभिनेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस पर प्रकाश राज ने अपनी सफाई में कहा था कि उन्होंने 2017 में एक एप को प्रमोट करने का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लेकिन बाद में यह सही नहीं लगने पर उन्होंने समझौते का आगे नहीं बढ़ाया।

धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के रहस्य से कैसे उठेगा पर्दा, न धनखड़ और न ही सरकार कुछ बोल रही

-पूर्व सीएम गहलोत ने कहा- यह मौन और रहस्य लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बुधवार को बीकानेर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर कहा कि यह कोई मामूली घटना नहीं है, लेकिन न तो खुद धनखड़ ने कुछ कहा और न ही सरकार ने कोई स्पष्टीकरण दिया। ऐसे में देश के सामने यह मामला एक रहस्य बन गया है। उन्होंने कहा कि धनखड़ का जो एपिसोड हुआ, उसके बाद से सरकार खुद डिफेंसिव हो गई है। यह साफ नहीं है कि उन्होंने खुद इस्तीफा दिया या उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। जब कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद से इस्तीफा देता है, तो उसे लेकर जनता को पूरी जानकारी होनी चाहिए, लेकिन न धनखड़ बोले, न सरकार। यह मौन और रहस्य लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

पूर्व सीएम गहलोत ने केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में ईडी, इनकम टैक्स, और सीबीआई जैसी एजेंसियों का भय का माहौल बनाने के लिए इस्तेमाल हो रहा है। ईडी ने 193 मामले रजिस्टर किए लेकिन सरकार के मुताबिक केवल दो मामलों में सफलता मिली। बाकी मामलों में क्या सिर्फ राजनीतिक उत्पीड़न हुआ? छापे मारे जाते हैं, घरों में घुसा जाता है, महिलाओं को परेशान किया जाता है। ये बहुत खतरनाक स्थिति है।

गहलोत ने पहलगाम घटना का हवाला देते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद कोई भी मंत्री या एजेंसी प्रमुख इस्तीफा नहीं देता। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर चूक हुई तो उसका जिम्मेदार कौन है? कोई रिपोर्ट नहीं आ रही, न कोई जवाब। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, गौरव गोगोई और अखिलेश यादव जैसे नेताओं ने जो सवाल उठाए, उनका कोई जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जब 'ऑपरेशन सिंदूर' खत्म हुआ था, तब विपक्ष की मांग थी कि संसद सत्र बुलाया जाए, लेकिन सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया। इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है, और मूल सवालों से जनता को भटकाया जा रहा है।

गहलोत ने छात्र संघ चुनाव को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि सरकार छात्र राजनीति खत्म करना चाहती है। अनेक नेता छात्र संघ चुनावों से निकले हैं। बीजेपी में अरुण जेटली से लेकर कई मंत्री तक छात्र राजनीति की उपज हैं। हमने सरकार में रहते चुनाव टाल दिए थे, लेकिन उम्मीद थी कि अगली सरकार बनते ही पहला काम छात्र संघ चुनाव कराना होगा लेकिन अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ।

अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री... अब तक 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म ब्लॉक

लोकसभा में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री पर कार्रवाई कर भारत सरकार ने अब तक 43 ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी। यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया, आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत की गई है, जिन्हें 25 फरवरी, 2021 को अधिसूचित किया गया था। इन नियमों के भाग-तीसरे में डिजिटल समाचार प्रकाशकों और ऑनलाइन क्यूरेटेड सामग्री (ओटीटी प्लेटफॉर्म) के प्रकाशकों के लिए एक आचार संहिता का प्रावधान है। ओटीटी प्लेटफॉर्म को ऐसी कोई भी सामग्री प्रसारित करने की अनुमति नहीं है जो वर्तमान में लागू कानून द्वारा निषिद्ध है। उन्हें नियमों की अनुसूची में दिए गए सामान्य दिशानिर्देशों के आधार पर सामग्री का आयु-आधारित स्व-वर्गीकरण करना अनिवार्य है। इसमें नग्नता, यौन और हिंसा से संबंधित चित्रण के प्रावधान शामिल हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए आयु-अनुचित सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए बाध्य हैं, जिसमें उचित पहुंच नियंत्रण उपाय भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 79(3)(बी) के तहत कार्रवाई की है, जो सरकारों को गैरकानूनी कार्य या सामग्री की सूचना देने और ऐसी सामग्री तक पहुंच को असक्षम करने का प्रावधान देती है। बीते सप्ताह, मोदी सरकार ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को उल्लू, एएलटीटी और देशीफ्लिक्स जैसे बड़े और लोकप्रिय नामों सहित 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म तक सार्वजनिक पहुंच को बंद करने का निर्देश दिया था। इस कदम का उद्देश्य ऐसी सामग्री के प्रसार पर अंकुश लगाना था, जिसे यौन रूप से स्पष्ट और भारतीय कानूनी व सांस्कृतिक मानकों का उल्लंघन करने वाला माना जाता है।

देश के कुछ हिस्सों में जनसंख्या में बदलाव टाइम बम की तरह है: राज्यपाल

-भाषा के नाम पर कटुता रखना भारत का चरित्र नहीं

गांधीनगर (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने असम और पश्चिम बंगाल समेत देश के कुछ हिस्सों की जनसंख्या में बदलाव को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ हिस्सों में आबादी का यह बदलाव टाइम बम की तरह है। इसका समाधान तलाशना होगा। वहीं महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे राज्यों में भाषा को लेकर छिड़े विवाद के बीच उन्होंने कहा कि भारत की यह संस्कृति नहीं है कि भाषा के नाम पर लड़ाई हो। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी पर भाषा थोपनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इस देश ने हमेशा बाहरी हमलों को झेला है, लेकिन जब हम अंदर की बात करते हैं तो देखना चाहिए कि इतिहास में क्या हुआ। गुजरात के गांधीनगर में मंगलवार को राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के छात्रों और फैकल्टी मेंबर्स को संबोधित करते हुए राज्यपाल रवि ने कहा कि क्या किसी को पिछले 30-40 सालों में असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल के कुछ हिस्से में जनसंख्या में हुए बदलावों की चिंता है? क्या आज कोई यह अंदाजा लगा सकता है कि आने वाले 50 सालों में इन इलाकों में देश के बंटवारे का काम नहीं होगा? पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि हमें कुछ इलाकों में बढ़ती संवेदनशील जनसांख्यिकी और उसके भविष्य पर एक अध्ययन करना चाहिए। यह समस्या एक टाइम बम की तरह है। हमें यह सोचना होगा कि भविष्य में हम इस समस्या से कैसे निपटेंगे। आज से ही इसका समाधान ढूंढना चाहिए। किसी देश की सैन्य शक्ति आंतरिक अशांति से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं होती। रवि ने तर्क दिया कि यदि सोवियत संघ की सैन्य शक्ति आंतरिक समस्याओं से निपटने के लिए पर्याप्त होती तो 1991 में उसका विघटन नहीं होता। महाराष्ट्र और कर्नाटक में भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच रवि ने कहा कि भाषा के नाम पर कटुता रखना भारत का चरित्र नहीं है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद हम आपस में लड़ने लगे। इसका एक कारण भाषा थी। उन्होंने इसे भाषाई राष्ट्रवाद कहा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने बार-बार स्पष्ट किया है कि सभी भारतीय भाषाएं समान स्तर की हैं और समान सम्मान की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई मौकों पर कहा है कि सभी भारतीय भाषाएं हमारी राष्ट्रीय भाषाएं हैं और हम उनमें से प्रत्येक का सम्मान करना चाहिए। पीएम मोदी भी ऐसा ही कहते हैं।

राज्यसभा में मनोज झा का सरकार पर तंज, नेहरू को दोष देना अब आदत बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर जारी चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के वरिष्ठ सांसद प्रो. मनोज झा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के वक्तव्य के बाद मनोज झा ने अपनी बात रखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा, कश्मीर, सेना और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर हो रही राजनीति को लेकर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि नेहरु को दोष देना इस सरकार की अब आदत बन गई है।

सांसद झा ने कहा, कि राष्ट्रीय सुरक्षा कोई नारा नहीं है, यह एक संवेदनशील मुद्दा है। इसे नारेबाजी में बदलना खतरनाक है।

सेना और राजनीतिक नेतृत्व अलग-अलग चीजें हैं। हमें सेना के शौर्य का सम्मान करना चाहिए, लेकिन उसके नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा कि वहां सिर्फ जमीन नहीं, लोग रहते हैं। पहलगाम हमले के बाद जो दृश्य सामने आए, वे असाधारण थे। लोग मदद कर रहे थे, शोक मना रहे थे। कश्मीर ने भी कुर्बानियां दी हैं। कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिया जाना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू का जिक्र करते हुए मनोज झा ने चुटकी ली, नेहरू इस सरकार के लिए लाइफ वेस्ट बन चुके हैं। हर बार नेहरू को दोष देना अब सरकार की आदत बन गई है। मैं तो कहता हूं, एक मुकदमा कर दो और नेहरू को हाजिर करो। अगर इतने वर्षों बाद भी वह सरकार को परेशान कर रहे हैं, तो जरूर कुछ बात थी उस व्यक्ति में। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा और कहा, कि कल प्रधानमंत्री ने कहा कि वह भारत का पक्ष रखने आए हैं। लेकिन यह संसद खुद भारत है। यहां तो आपको सरकार का पक्ष रखना चाहिए। सरकार देश नहीं है, देश को देश रहने दीजिए।

सांसद मनोज झा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर दिए गए बयान का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी से अपील की कि वह खुद सदन में आकर इस पर स्पष्ट रूप से प्रतिक्रिया दें और ट्रंप को सदी का सबसे बड़ा झूठा व्यक्ति करार दें। सांसद झा की भावनात्मक और व्यंग्यपूर्ण टिप्पणी से सदन में माहौल गर्म हो गया। उनके भाषण को विपक्षी सांसदों ने तालियों से समर्थन दिया।

सुवेंदु अधिकारी ने लगाया ममता सरकार पर मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़ने का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी करने और चुनावी प्रक्रिया को दूषित करने का गंभीर आरोप लगाया है। बीजेपी नेता अधिकारी ने दावा किया कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा सभी जिला चुनाव अधिकारियों (जिलाधिकारियों) को भेजे गए एक हालिया मेमो से यह खुलासा हुआ है कि फॉर्म 6 के निस्तारण में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। बीजेपी नेता के अनुसार, सीईओ के पत्र में कहा गया है कि नमूना जांच में पाया गया कि मतदाता अधिनियम, 1960 का पालन नहीं किया गया। फॉर्म 6 के कई आवेदनों को बिना उचित सत्यापन के स्वीकार किया गया, इसके परिणामस्वरूप मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़े गए। उन्होंने आरोप लगाया हैं कि फॉर्म 6 के कई आवेदन बिना सही जांच-पड़ताल के स्वीकार कर लिए गए, जिससे फर्जी मतदाता सूची में शामिल हो गए। बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) से जल्दबाजी में दस्तावेज इकट्ठे करवाए गए। निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारियों (ईआरओ), जो पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारी हैं, ने अवैध रूप से सहायक निर्वाचन अधिकारी (एईआरओ), बीडीओ कार्यालयों में पदस्थ ओसी इलेक्शन और कैजुअल डाटा एंट्री ऑपरेटरों को मतदाता सूची से संबंधित कार्य सौंप दिए। इन अनुबंधित कर्मचारियों को फॉर्म 6, 7 और 8 सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों के निस्तारण की जिम्मेदारी दी गई, जो नियमों के खिलाफ है।

राजस्थान में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात, घरों, दुकानों और सड़कों पर 5-5 फीट तक पानी

मध्य प्रदेश से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में इनदिनों भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कोटा, टोंक, सवाई माधोपुर और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण घरों, दुकानों और सड़कों पर 5-5 फीट तक पानी भर गया है। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि राजस्थान का मध्य प्रदेश से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया है। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय से 12 किमी दूर बोदल गांव में नेशनल हाईवे-552 पर बनी औगाड़ पुलिया बह गई है, जिससे सवाई माधोपुर-श्योपुर मार्ग बंद हो गया है। लगातार बारिश के कारण कई घरों में पानी घुस गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बने राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर पटरियां पानी में डूब गई हैं, जिससे ट्रेनों की गति धीमी हो गई है और यात्री परेशान हैं। वहीं कोटा के इटावा क्षेत्र में पार्वती नदी उफान पर है और उस पर बना नया पुल भी पानी में डूब गया है। इटावा-खातोली मार्ग पर स्टेट हाईवे-70 (कोटा-ग्वालियर-श्योपुर मार्ग) पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, क्योंकि पुल पर एक फीट तक पानी बह रहा है, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है।

राज्य की राजधानी जयपुर में भी सुबह से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे सड़कों पर पानी भर गया है और यातायात प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ जिलों के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर को छोड़कर शेष जिलों के लिए येलो अलर्ट है। बारिश के अलर्ट को देखकर भजनलाल सरकार ने आज 15 जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। प्रशासन ने लोगों से घरों से बाहर न निकलने और सुरक्षित रहने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आया दबाव का क्षेत्र अब कमजोर होकर लो-प्रेशर में बदल गया है और यह वर्तमान में राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से पर सक्रिय है। मानसून की ट्रफलाइन श्रीगंगानगर से होते हुए दिल्ली की ओर जा रही है, जिसके चलते अगले 48 घंटे राज्य के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है, लेकिन तेज बहाव और लगातार बारिश के कारण कई जगहों पर बचाव अभियान में दिक्कत आ रही है।

तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को देगी आरक्षण !

-यह जातियां सामाजिक, शैक्षणिक और पिछड़ेपन का कर रहीं सामना

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण देने की तैयारी कर रही है। इन जातियों में करीब तीन लाख परिवार शामिल हैं, जो लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। अब तक इन जातियों को बीसी (ई) श्रेणी के अंतर्गत 4 फीसदी आरक्षण दिया गया था, लेकिन कानूनी विवादों और धार्मिक आधार पर आरक्षण को लेकर उठे सवालों के चलते यह नीति प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाई। सरकार का मानना है कि इन जातियों को धर्म नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर लाभ दिया जाना चाहिए।

सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक जाति सर्वे की रिपोर्ट फरवरी 2025 में सार्वजनिक हुई थी। इसमें सामने आया कि राज्य की कुल 12.58 फीसदी मुस्लिम आबादी में से 10.08 फीसदी पिछड़े हैं और सिर्फ 2.5 फीसदी मुस्लिक अन्य वर्ग में आते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि हैदराबाद के पुराने शहर में कई मुस्लिम महिलाओं ने गणनाकर्ताओं से बातचीत नहीं की, जिससे मुस्लिम आबादी में 1-2 फीसदी की संभावित कमी आंकी गई है। सर्वे के आधार पर तेलंगाना विधानसभा ने मार्च में एक विधेयक पारित कर पिछड़ा वर्ग आरक्षण को 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी कर दिया है। यह वृद्धि शिक्षा, सरकारी नौकरियों और स्थानीय निकाय चुनावों में लागू होगी। यह विधेयक अब राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजा गया है। राज्य सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ नेता मोहम्मद अली शब्बीर के मुताबिक करीब तीन लाख शिया परिवार न सिर्फ आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं, बल्कि उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वे के मुताबिक मुस्लिम समुदाय के 10.08 फीसदी लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और सहायता के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि सैयद, मुगल, पठान, अरब, कोज्जा मेमन, आगा खानी और बोहरा जैसे मुस्लिम समूह पेशे पर आधारित जातियां हैं, जैसे अन्य पिछड़ी वर्ग की जातियां होती हैं। यह धर्म आधारित आरक्षण नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन पर आधारित प्रस्ताव है। बीजेपी द्वारा इस प्रस्ताव पर धर्म आधारित आरक्षण का आरोप लगाए जाने पर शब्बीर ने कहा कि जब भी मुस्लिम आरक्षण की बात होती है तो सरकारों से पूछा गया डेटा कहां है? अब हमारे पास सर्वे के जरिए से ठोस आंकड़े हैं। ज्यादातर गरीब मुस्लिम फल-सब्जी विक्रेता, कबाड़ी, ड्राइवर जैसे काम करते हैं। उन्हें भी उतने ही अधिकार मिलने चाहिए जितने अन्य समुदायों को।

कोविड वैक्सीन से 90 फीसदी मौतों से हुआ बचाव, नई रिपोर्ट से हुआ खुलासा

-औसतन हर 5,400 वैक्सीन डोज से एक मौत को टाला गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस साल 2019 के अंत में चीन के वुहान से फैला था और देखते ही देखते दुनियाभर में फैल गया था। करीब 5 साल बाद भी कोविड पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इसके वेरिएंट कोविड संक्रमण फैलाते रहते हैं। साल 2020 में वैज्ञानिकों ने कोविड की वैक्सीन तैयार कर ली। इसके बाद बाजार में कई कंपनियों की वैक्सीन आ गईं। वैक्सीन बनने के बाद दुनियाभर में वैक्सीनेशन अभियान शुरू हुआ और कुछ ही महीनों में अरबों लोगों को वैक्सीन लगाई गई थी।

कई लोगों को कोविड वैक्सीन की दो डोज लगाई गई थीं, जबकि कुछ लोगों को कोविड वैक्सीन की बूस्टर डोज भी लगाई गई थी। कई बार कोविड वैक्सीन की प्रभावशीलता पर सवाल भी उठे और कहा गया कि इससे हार्ट अटैक के मामले बढ़ गए। हालांकि हेल्थ एक्सपर्ट्स ने इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया। अब कोविड वैक्सीन को लेकर एक नई स्टडी सामने आई है, जिसमें वैज्ञानिकों ने बताया कि वैक्सीन बनने के बाद से अब तक इससे कितने लोगों की जान बची।

एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 से 2024 के बीच कोविड-19 वैक्सीन ने दुनियाभर में करीब 25.33 लाख लोगों की जान बचाई है। यह जानकारी एक नई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट से सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक औसतन हर 5,400 वैक्सीन डोज से एक मौत को टाला गया। इस शोध को एक मेडिकल रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया है। रिसर्च में पाया गया कि कोविड वैक्सीन का सबसे बड़ा फायदा 60 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों को मिला। इस उम्र के लोगों में कोविड वैक्सीन से 90 फीसदी मौतों से बचाव हुआ। वैक्सीन से बचाए गए 1.48 करोड़ जीवन-वर्षों में से 76 फीसदी जीवन-वर्ष बुजुर्गों से जुड़े हैं। यह भी पता चला कि जिन लोगों को वायरस से संक्रमित होने से पहले वैक्सीन मिली थी, उनमें से 82 फीसदी की जान बचाई जा सकी। साथ ही ओमिक्रॉन वैरिएंट के समय यानी महामारी की एक अहम अवधि में ही 57 फीसदी मौतों से बचाव हुआ।

कोविड वैक्सीनेशन का फायदा बच्चों और किशोरों में बेहद सीमित पाया गया। 0 से 19 साल की उम्र के लोगों के लिए बचाई गई जानों की संख्या सिर्फ 0.01 फीसदी रही, जबकि जीवन-वर्षों के लिहाज़ से यह आंकड़ा 0.1 फीसदी रहा। इस तरह 20 से 29 साल के युवाओं में सिर्फ 0.07 फीसदी मौतों और 0.3 फीसदी जीवन-वर्षों को ही बचाया जा सका। इसका कारण यह है कि इन उम्र वर्गों में कोविड-19 से मौत का खतरा पहले से ही कम था।

इस शोध को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि यह पहला ऐसा अध्ययन है

जो वैश्विक स्तर पर किया गया है और जिसमें पूरी महामारी 2020 से 2024 को शामिल किया गया है। इसमें ओमिक्रॉन वेरिएंट संक्रमण से पहले और बाद में वैक्सीन का असर और जिन लोगों को टीका लगा और नहीं लगा, उन सबका तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, साथ ही यह अध्ययन केवल मौतों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बताता है कि कितने वर्षों की जिंदगी भी बचाई गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान: धमाके से जाफर एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, एक घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को एक धमाके की वजह से जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। यह ट्रेन क्वेटा जा रही थी और हादसे में एक व्यक्ति घायल हुआ है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण पटरी की मरम्मत में करीब पांच घंटे और लग सकते हैं। सिंध प्रशासन ने इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। सुक्कुर रेलवे के एक अधिकारी, जमशेद आलम ने बताया कि यह ट्रेन पेशावर से क्वेटा जा रही थी और शिकारपुर के पास धमाका हो गया। इसके बाद सुक्कुर से राहत और बचाव दल भेजे गए। आलम ने कहा कि धमाके के बाद ट्रेन की आवाजाही रोक दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी हुई।

रोमानिया में आई बाढ़ से 3 लोगों की मौत, कई लोगों को घर छोड़ना पड़ा

बुखारेस्ट , एजेंसी। रोमानिया के उत्तर-पूर्वी इलाके में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई। इस बाढ़ में कम से कम तीन लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। बचाव दल सबसे ज्यादा प्रभावित नीम्ट और सुसेवा इलाकों में लोगों की मदद कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर और फायर ब्रिगेड की मदद से कई लोगों को बचाया गया। कुछ लोग अपने घरों में पानी भर जाने की वजह से फंस गए थे। सिर्फ नीम्ट इलाके से ही 890 लोग निकाले गए। आपातकालीन विभाग के अनुसार, 66 साल के एक बुजुर्ग का शव एक नाले के पास मिला। इसके अलावा, दो महिलाएं जो लापता थीं, बाद में मृत मिलीं। अधिकारियों ने बाढ़ के कारण फैले कीचड़, बहे हुए वाहन, मलबे और टूटे हुए घरों की तस्वीरें भी साझा की हैं।

कराची में चीनियों के हमलावर आतंकी मारे गए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पिछली रात तीन संदिग्ध आतंकियों को मार गिराया। इन पर गत वर्ष कराची में चीनी नागरिकों पर हमले की साजिश रचने का आरोप रहा है। उस वक्त आतंकी हमले में एक कपड़ा मिल में काम कर रहे दो चीनी नागरिक घायल हो गए थे। इन आतंकियों में नवंबर 2024 के हमले का कथित मास्टरमाइंड जाफरान भी शामिल है, जो पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) से जुड़ा था। चीनी नागरिक यहां टीटीपी व अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी समेत कई आतंकी गुटों के हमलों का शिकार हो रहे हैं।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति उरीबे रिश्वतखोरी के मुकदमे में दोषी करार

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को सोमवार को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में दोषी करार दिया गया। यह देश के लिए एक ऐतिहासिक मुकदमा था, क्योंकि उरीबे को पहले एक मजबूत और सख्त नेता के रूप में जाना जाता था। यह फैसला राजधानी बोगोटा की एक अदालत ने दिया। मुकदमा करीब छह महीने तक चला, जिसमें यह साबित करने के लिए सबूत पेश किए गए कि उरीबे ने ऐसे गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की, जिन्होंने उन पर यह आरोप लगाया था कि उनका 1990 के दशक में एक खतरनाक अर्धसैनिक समूह से संबंध था। यह समूह कथित तौर पर पशुपालकों द्वारा बनाया गया था। जज सैंड्रा हेरेडिया ने अपने 10 घंटे लंबे फैसले में कहा कि उरीबे ने एक वकील के साथ मिलकर जेल में बंद तीन अर्धसैनिक गुटों के सदस्यों को गवाही बदलने के लिए उकसाया। ये गवाह पहले वामपंथी सीनेटर इवान सेपेडा को बयान दे चुके थे, जिन्होंने उरीबे के इन कथित संबंधों की जांच शुरू की थी।

इमरान खान की पार्टी ने शहरों में सेना तैनात करने के फैसले का विरोध किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की खैबर पख्तूनख्वा इकाई ने सोमवार को पेशावर और दूसरे शहरों में सेना तैनात करने के संघीय सरकार के फैसले का विरोध किया है। पीटीआई इस समय खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभा में सत्ता में है। पार्टी के नेताओं ने एक बैठक में कहा कि सरकार का यह कदम गलत है और इसका मकसद लोगों की आजादी को छीनना और राजनीतिक विरोध को दबाना है। बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में कहा गया कि इस फैसले का कोई कानूनी, सांविधानिक या नैतिक आधार नहीं है और यह विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश है। पीटीआई ने इस फैसले को अदालत में चुनौती देने की बात कही और पेशावर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से तुरंत ध्यान देने की अपील की है।

आइवरी कोस्ट में बस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत

आइवरी कोस्ट, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका के दक्षिणी तट पर स्थित देश आइवरी कोस्ट में लंबी दूरी की बस और डंपर ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए। परिवहन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। वहां के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि बस दक्षिण-पश्चिमी आइवरी कोस्ट के शहर सैन पेड्रो से पड़ोसी देश बुर्किन फासो जा रही थी।

चीन में भीषण बाढ़ से तबाही, 34 लोगों की मौत, सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाए गए 80 हजार

बीजिंग, एजेंसी। इन दिनों चीन भीषण बाढ़ की तबाही से जूझ रहा है। यहां पर भारी बारिश और बाढ़ के चलते 34 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन की राजधानी बीजिंग में लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि सोमवार आधी रात तक बीजिंग के बुरी तरह प्रभावित मियुन जिले में 28 और यानकिंग जिले में दो लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। इलाके में रात भर भारी बारिश हुई। जानकारी के मुताबिक अनुसार, बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें मियुन के लगभग 17,000 लोग शामिल हैं।

भूस्खलन में भी गई जान : इससे पहले सोमवार को जारी खबरों के अनुसार, पड़ोसी हेबेई प्रांत में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य अब भी लापता हैं। यह भूस्खलन हेबेई की लुआनपिंग काउंटी के एक ग्रामीण इलाके में हुआ था। एक स्थानीय निवासी ने सरकारी समाचार पत्र 'बीजिंग न्यूज' को बताया कि संचार व्यवस्था ठप हो गई है और वह अपने रिश्तेदारों से संपर्क नहीं कर पा रहा। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, अधिकारियों ने मियुन जिले में एक जलाशय से पानी छोड़ा है। यह जलाशय 1959 में इसके निर्माण के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर है।

पानी छोड़ने पर घिरे अधिकारी : इसके अलावा अन्य उत्तरी चीनी क्षेत्रों में भी बारिश के चलते मौतें हुई हैं। इनमें,

शांक्सी प्रांत भी शामिल है, जहां एक पूरी बस ही गायब हो गई। वहीं, अधिकारियों द्वारा बाढ़ का पानी छोड़ देने के चलते हेबेई प्रांत में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यहां के लोगों का कहना है कि उन्हें समय रहते चेतावनी नहीं दी गई। गौरतलब है कि 2012 में आई बाढ़ में बीजिंग और हेबेई में 145 लोगों की जान चली गई थी।

बीजिंग में हाई अलर्ट, स्कूल और निर्माण कार्य बंद : बीजिंग प्रशासन ने सोमवार रात 8 बजे टॉप लेवल इमरजेंसी रिस्पॉन्स जारी किया। इसके तहत सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। निर्माण कार्य और बाहरी गतिविधियों पर भी रोक लगा दी गई है। चीन सरकार ने हपेई प्रांत को 50 मिलियन युआन की इमरजेंसी सहायता भेजी है। साथ ही चेंगदे, बाओडिंग और झांगजियाकौ जैसे प्रभावित शहरों में राहत कार्यों के लिए केंद्रीय टीमें रवाना की गई हैं। इससे पहले प्रशासन ने मियुन जिले के एक प्रमुख जलाशय से पानी छोड़ने का फैसला किया। यह 1959 में बना था। तब से पहली बार इसका जलस्तर सबसे ज्यादा हो गया था। शी जिनपिंग ने पूरी ताकत से बचाव अभियान का आदेश दिया चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बाढ़ में लापता लोगों की तलाश और बचाव पूरी ताकत से करने को कहा है। राष्ट्रपति शी ने कहा, जो लोग लापता हैं या फंसे हुए हैं, उन्हें बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए और जानमाल के नुकसान को कम से कम करने के हरसंभव प्रयास किए जाएं। 2 साल पहले भी बीजिंग और हपेई में बाढ़ आई थी 2023 में भी इसी सीजन में बीजिंग और हपेई में भारी बाढ़ आई थी। दर्जनों लोगों की जान गई और हजारों विस्थापित हुए। इसके अलावा 2021 में हेनान प्रांत में बाढ़ आई थी। रिकॉर्ड बारिश से मेट्रो स्टेशन और शहर की सड़कों में पानी भर गया। 300 से अधिक लोगों की मौत हुई। चीन में अब तक की सबसे खतरनाक बाढ़ 1931 में आई थी। यह अब तक की सबसे घातक बाढ़ मानी जाती है। अनुमान के मुताबिक इसमें 20 से 25 लाख लोगों की जान गई थी। बीजिंग और हपेई में बाढ़ क्यों आती है? बीजिंग उत्तर चीन का हिस्सा है। यहां आमतौर पर बारिश कम कम होती है। लेकिन जुलाई-अगस्त में जब ईस्ट एशियन मानसून सक्रिय होता है, तब यहां अचानक भारी बारिश होती है। बीजिंग के आसपास की जमीन पथरीली और ऊंची-नीची है। पानी तेजी से नीचे बहता है, जिससे फ्लैश फ्लड यानी अचानक बाढ़ की स्थिति बनती है। मिट्टी की नमी कम होने से बारिश सीधे सतह पर बहती है, जिससे नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है।

अमेरिका के मैनहटन में ऑफिस बिल्डिंग के बाहर गोलीबारी, पुलिस अफसर समेत 5 की मौत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहटन में सोमवार शाम एक ऑफिस बिल्डिंग में हुई गोलीबारी की घटना में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ऑफ-ड्यूटी न्यूयॉर्क पुलिस अधिकारी भी शामिल है।

हमले के मुख्य संदिग्ध की पहचान नेवादा के शेन तमुरा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से लास वेगास का कन्सील्ड कैरी परमिट भी बरामद हुआ है। शूटिंग शाम 6:30 बजे पार्क एवेन्यू की एक हाई-प्रोफाइल बिल्डिंग में हुई, जिसमें अमेरिका की बड़ी फाइनेंशियल कंपनियों और एनएफएल के ऑफिस स्थित हैं।

दूसरी मंजिल पर एक प्रेजेंटेशन देख रहीं जेसिका चेन ने एबीसी न्यूज़ को बताया कि उन्होंने पहली मंजिल से लगातार कई गोलियों की आवाजें सुनीं। वहां मौजूद लोगों ने कॉन्फ्रेंस रूम की टेबलों से दरवाजा ब्लॉक किया और जान बचाने की कोशिश की। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं और पुलिस अभी भी बिल्डिंग में फ्लोर-दर-फ्लोर तलाशी अभियान चला रही है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे बिल्डिंग में ही रहें और पुलिस का सहयोग करें।

ऑस्ट्रेलिया के मैक्वेरी द्वीप पर 6.7 तीव्रता का भूकंप, 10 किमी की गहराई में केंद्र था

मैक्वेरी द्वीप, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के मैक्वेरी द्वीप क्षेत्र में मंगलवार सुबह 6.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था. तीन दिन पहले, 26 जुलाई को भी 6.2 तीव्रता का भूकंप इसी क्षेत्र में आया था, जिसकी गहराई भी 10 किमी थी। मैक्वेरी द्वीप क्षेत्र पैसिफिक और ऑस्ट्रेलियन प्लेट्स की लाइन ऑफ कॉन्टैक्ट पर बसा है। इस वजह से यहां पर सतही भूकंप ज्यादा आते हैं। इनसे धरती की सतह पर ज्यादा कंपन और क्षति होती है।

पिछले 100 सालों में मैक्वेरी रिज पर आए बड़े भूकंप ने दो गंभीर सिस्मिक गैप उजागर किए हैं। एक गैप सीधे मैक्वेरी द्वीप के नीचे है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इस गैप को भरने वाला कोई 7 या उससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है, तो बड़े पैमाने पर भूस्खलन, बिजली और पानी की आपूर्ति ठप को भारी नुकसान हो सकता है।

एक बच्चे पर 500 डॉलर, घटती आबादी से परेशान चीन, जनसंख्या बढ़ाने के लिए निकाला ये उपाय

बीजिंग, एजेंसी। चीन में इन दिनों नई मुसीबत ने दस्तक दे दी है। दुनिया में दूसरे सबसे ज्यादा आबादी वाले देश चीन में आबादी तेजी से घट रही है और इससे जुड़े आंकड़ों ने सरकार की नींदें उड़ा रखी हैं। इससे निपटने के लिए चीन कई उपाय कर रहा है। हाल ही में चीन की सरकार ने जनसंख्या की गति को पटरी पर लाने के लिए नई तरकीब निकाली है। इसके तहत चीन लोगों को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नकद रुपए देगा।

चीन की सरकारी मीडिया ने सोमवार को कहा है कि देश में जनसांख्यिकीय संकट गहराने के बीच, सरकार तीन साल से कम उम्र के हर बच्चे के माता-पिता को हर साल 500 अमेरिकी डॉलर की सब्सिडी देगी। चीन के सरकारी चैनल सीसीटीवी ने चीन की कैबिनेट के एक फैसले का हवाला देते हुए बताया है कि ये सब्सिडी पूरे देश में 1 जनवरी से लागू होंगी। चैनल ने बताया, यह एक राष्ट्रव्यापी नीति है जिसका उद्देश्य जन कल्याण में सुधार लाना है। बयान में आगे बताया गया, इसके तहत देश भर के परिवारों को सीधे कैश सब्सिडी दी जाएगी जिससे बच्चों के पालन-पोषण का बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

डराने वाले आंकड़ें : आंकड़ों की बात करें तो पिछले साल चीन में महज 95.4 लाख बच्चे पैदा हुए। यह संख्या इसीलिए चौंकाने वाले हैं क्योंकि

यह 2016 में पैदा हुए बच्चों के मुकाबले आधी संख्या है। चीन में पिछले तीन दशकों से वन चाइल्ड पॉलिसी लागू थी, जिसके तहत किसी भी शादीशुदा कपल को एक से ज्यादा बच्चा पैदा करने की अनुमति नहीं थी। चीन ने आबादी को घटता हुआ देखकर इस पॉलिसी को हटा दिया है।

एक अन्य अनुमान के मुताबिक देश की जनसंख्या लगातार तीन सालों से घट रही है। संयुक्त राष्ट्र के जनसांख्यिकीय मॉडल के मुताबिक 2100 तक देश की आबादी यह मौजूदा 1.4 अरब से घटकर महज 80 करोड़ रह जाएगी। वहीं देश में बूढ़ों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। 2024 के आंकड़ों के मुताबिक चीन में 60 साल या उससे अधिक उम्र के लगभग 310 मिलियन से भी ज्यादा लोग लोग हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है।

हमास ने युद्धविराम समझौता ठुकराया तो गाजा पर फिर से करेंगे कब्जा, बेंजामिन नेतन्याहू की चेतावनी

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने हमास को युद्धविराम समझौते को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रस्ताव दिया कि अगर हमास फिर से युद्धविराम समझौते को ठुकराता है तो इजरायल गाजा के कुछ हिस्सों को अपने कब्जे में लेना शुरू कर देगा। रिपोर्ट के अनुसार, अगर हमास ने गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के प्रयास को फिर से अस्वीकार किया तो इजरायल गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों को अपने कब्जे में लेने लगेगा। इस तरह, जेरूसलम इस बातचीत के लिए एक और मौका देने जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कुछ मंत्रियों के साथ बैठक में यह प्रस्ताव रखा, जिन्होंने कब्जे वाले क्षेत्रों के प्रशासन के लिए विशेष इकाई स्थापित करने का फैसला किया। मालूम हो कि इजरायली सेना ने रविवार को गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत की। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया। इजरायल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की

वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है।

फिलहाल मानवीय सहायता पहुंचाई जा रही : इजरायली सेना ने कहा कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक स्थानीय समयानुसार हर दिर सुबह 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी। सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी। पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाया है, जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है। खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजरायल ने सहायता पर रोक लगा दी थी।

यूएस सिंगर सियारा बेनिन की नागरिकता पाने वाली पहली महिला : वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन ने गुलाम लोगों के वंशजों को नागरिकता प्रदान करने वाला एक कानून पारित किया है। इस कानून के लागू होने के बाद अमेरिकी सिंगर सियारा बेनिन की नागरिकता पाने वाली पहली महिला बन गई हैं। कोटोनौ शहर में शनिवार को एक समारोह आयोजित किया गया, जहां ग्रैमी पुरस्कार विजेता सियारा को नागरिकता दी गई। यह पहल अफ्रीकी मूल के लोगों को आकर्षित करने, दास व्यापार में देश की भूमिका को स्वीकार करने और इससे जुड़े पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। न्याय मंत्री यवोन डेत्चेनौ ने समारोह में कहा, अफ्रीका के इन बच्चों को कानूनी मान्यता देकर, बेनिन एक ऐतिहासिक घाव भर रहा है।

ताइवान के राष्ट्रपति ने 4 देशों की यात्राएं टाली, दावा- चीन के दबाव में ट्रम्प ने इजाजत नहीं दी

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने अपनी एक विदेशी यात्रा को फिलहाल टालने का फैसला किया है। यह यात्रा काफी संवेदनशील माना जा रही थी लेकिन ऐसा दावा किया जा रहा है कि चीन के दबाव में ट्रम्प ने ताइवान के राष्ट्रपति को कई अमेरिकी देशों की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक ताइवान के राष्ट्रपति अगस्त में ग्वाटेमाला, पराग्वे और बेलीज की यात्रा करने वाले थे। ये तीनों देश ताइवान को मान्यता देते हैं। ताइवान ने इस यात्रा से जुड़ी डिटेल ट्रम्प प्रशासन को भेजी थी। इसमें उनकी योजना अमेरिका में रूकने की भी थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प चीन के साथ ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में अगर ताइवान का कोई टॉप नेता अमेरिका की यात्रा करता तो इससे चीन नाराज हो सकता था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान इस दावे को खारिज करता है। ताइवान राष्ट्रपति की इस यात्रा की कभी पुष्टि नहीं हुई लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस पर अमेरिका, ताइवान और इससे जुड़े देशों के बीच चर्चाएं जरूर हुई थीं। व्हाइट हाउस, चीन और न ही ताइवान से जुड़े अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी की है। मामले की सीधी जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि यात्रा पूरी तरह से रद्द नहीं हुई है, बल्कि इसके लिए अब तैयारियां

साल के आखिर में की जाएंगी। लंदन में चाकूबाजी, दो लोगों की मौत लंदन, एजेंसी। लंदन के एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान में सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को चाकूबाजी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, दो अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें एक संदिग्ध भी शामिल है, जिसकी हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि यह घटना लंदन के साउथवार्क इलाके में हुई। वहां 58 साल के एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 27 साल के एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जांच अधिकारी एम्मा बॉन्ड ने कहा कि यह हमला आतंकवादी घटना नहीं है। 30 साल के एक व्यक्ति को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन वह खुद भी गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में भर्ती है। एक और घायल व्यक्ति अस्पताल में है और उसके ठीक होने की उम्मीद है।

ट्रम्प ने लंदन के मेयर को घिनौना इंसान बताया: कहा- उन्होंने बहुत खराब काम किया है

टर्नबेरी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर लंदन के मेयर सादिक खान पर हमला बोला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ स्कॉटलैंड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने खान को नैस्टी पर्सन यानी घिनौना इंसान कह दिया और उनके कामकाज की आलोचना की। एक रिपोर्टर ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे सितंबर में अपनी राजकीय यात्रा के दौरान लंदन आएंगे, तो उन्होंने कहा मैं आपके मेयर का फैन नहीं हूं। मुझे लगता है उन्होंने बहुत खराब काम किया है। उनके इस बयान पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तुरंत कहा कि वो (सादिक खान) मेरे दोस्त हैं। हालांकि ट्रम्प अपने बयान पर अड़े रहे और दोबारा दोहराया कि उन्होंने बहुत ही खराब काम किया है। लेकिन मैं निश्चित रूप से लंदन आऊंगा। ट्रम्प और सादिक खान के रिश्ते पहले से तल्ख यह पहली बार नहीं है जब ट्रम्प ने सादिक खान पर हमला किया है। 2019 में भी उन्होंने खान को नाकाम इंसान कहा था और उन्हें सलाह दी थी कि वह लंदन में अपराध पर ध्यान दें। तब भी ट्रम्प ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर थे और लंदन आने से ठीक पहले ही उन्होंने ट्विटर पर खान को निशाने पर लिया था। ट्रम्प पहले खान को ढ्क्त टेस्ट की चुनौती भी दे चुके हैं और 2017 के लंदन ब्रिज हमले के बाद उनकी प्रतिक्रिया की आलोचना भी कर चुके हैं। ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में खान पर आतंकवाद से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया था और उन्हें स्टोन कोल्ड लूजर (बिल्कुल नाकाम इंसान) और बहुत मूर्ख कहा था। सादिक खान के प्रवक्ता ने ट्रम्प को जवाब दिया ट्रम्प के बयान पर खान के प्रवक्ता का

पलटवार किया है। सोमवार शाम को सादिक खान के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा, मेयर को खुशी है कि ट्रम्प दुनिया के सबसे महान शहर में आना चाहते हैं। अगर वे लंदन आएंगे तो देखेंगे कि हमारी विविधता हमें कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत बनाती है। गरीब नहीं, बल्कि अमीर बनाती है। 5 नवंबर 2024 के चुनाव से पहले एक पॉडकास्ट में सादिक खान ने कहा था कि ट्रम्प उन्हें उनके धर्म और नस्ल के चलते निशाना बना रहे हैं। खान ने कहा था, उन्होंने मुझे मेरे रंग और धर्म की वजह से निशाना बनाया है। हालांकि, दिसंबर 2024 में एएफपी को दिए इंटरव्यू में खान ने कहा था कि अमेरिकी जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है और अब सभी को चुनाव के नतीजों का सम्मान करना चाहिए। लंदन के पहले मुस्लिम मेयर सादिक खान 1970 में जन्मे सादिक खान लंदन के पहले मुस्लिम मेयर है। वे मूल रूप से पाकिस्तानी है। उनके पिता पाकिस्तान में ड्राइवर का काम करते थे। वे कुछ समय बाद इंग्लैंड आ गए। 24 साल की उम्र तक उन्होंने बेहद गरीब हालात में जिंदगी जी। पिता रेड बस चलाते थे। लेकिन पॉलिटिक्स में शुरुआत से ही उनकी रुचि थी। 15 साल की उम्र में वे लेबर पार्टी से जुड़ गए थे। करियर की शुरुआत ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट के रूप में की। 2005 में वे पहली बार लेबर पार्टी से सांसद बने। 2016 में उन्होंने पहली बार लंदन के मेयर पद का चुनाव लड़ा और बड़े अंतर से जीते। सादिक खान को मोदी विरोधी कहा जाता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिता ने गर्भवती बेटी और दामाद का किया अपहरण

सूरत पुलिस ने पंचमहाल से पिता समेत 7 लोगों को पकड़ा, एक किन्नर भी शामिल; बेटी के प्रेम विवाह से नाराज़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कपोदरा इलाके में आठ महीने पहले प्रेम विवाह करने वाली गर्भवती युवती और उसके पति के अपहरण के मामले में कपोदरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने युवती के पिता सहित कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अपहरण किए गए दंपती को सुरक्षित छुड़ा लिया गया है। इस अपहरण कांड में एक किन्नर की संलिप्तता भी सामने आई है, जिसे भी गिरफ्तार किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कपोदरा स्थित रवी पार्क सोसायटी में रहने वाले एक दंपती ने लगभग आठ महीने पहले प्रेम विवाह किया था। इसके बाद वे सात महीने तक अपने गांव में रहे और एक महीने पहले ही सूरत में आकर रहने लगे थे। वर्तमान में युवती आठ महीने की गर्भवती है।

युवती के प्रेम विवाह से नाराज उसके पिता ने अन्य साथियों के साथ मिलकर बेटी और दामाद का उनके घर में घुसकर मारपीट के बाद अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ताओं ने दोनों को मारते-पीटते पजेरो कार में जबरन बैठाकर पंचमहाल की ओर ले गए।

कपोदरा पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की। पंचमहाल की ओर भागे होने की जानकारी मिलने पर कपोदरा पुलिस की एक टीम को स्थानीय पुलिस के सहयोग से वहां भेजा गया।

गहन जांच के बाद पुलिस ने पंचमहाल जिले से युवती के पिता चिराग मालीवाड़, चाचा प्रवीण मालीवाड़ सहित कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही इस पूरे घटनाक्रम में एक किन्नर की भी संलिप्तता सामने आने के बाद उसे भी गिरफ्तार किया गया है।

घर से लापता हुई 3 साल की बच्ची 4 किलोमीटर दूर से मिली

पुलिस ने तलाश में देखे 45 से ज्यादा CCTV, 200 से अधिक लोगों से की पूछताछ,गभेणी रोड से बच्ची मिली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC इलाके की शिवनगर सोसायटी से लापता हुई तीन साल की बच्ची को सचिन GIDC पुलिस ने कुछ ही घंटों में खोज निकाला और उसे सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया। बच्ची अपने घर से लगभग चार किलोमीटर दूर तक चली गई थी।

घटना के अनुसार, 29 जुलाई 2025 की शाम करीब 4 बजे राहुल नामक श्रमिक की तीन वर्षीय बेटी खेलते-खेलते अचानक घर से बाहर निकल गई और लापता हो गई। बच्ची के लापता होने पर उसके माता-पिता ने तुरंत शाम करीब 6 बजे पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही सचिन GIDC पुलिस स्टेशन का सर्विलांस स्टाफ और अन्य पुलिसकर्मी बच्ची की तलाश में निकल पड़े। बच्ची की लोकेशन पता लगाने के लिए सचिन GIDC से लेकर सूरत स्टेशन क्षेत्र तक के विभिन्न स्थानों पर लगे लगभग 45 CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले गए। इसके अलावा पुलिस ने 200 से अधिक लोगों से भी पूछताछ की।

पुलिस की लगातार और सघन कोशिशों के चलते लापता बच्ची अलका कुमारी को कुछ ही घंटों में सचिन GIDC क्षेत्र के गभेणी रोड स्थित महालक्ष्मी सोसायटी के पास से ढूंढ निकाला गया। पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित उसके माता-पिता को सौंप दिया और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए आवश्यक सलाह और दिशा-निर्देश भी दिए।

पुलिस की इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई के लिए बच्ची के परिवार और स्थानीय लोगों ने उनका आभार जताया।

2000 करोड़ के साइबर फ्रॉड में प्रसिद्ध बैंक के मैनेजर समेत 8 कर्मचारी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

साइबर ठगी के लिए फर्जी अकाउंट खुलवाकर किट और सिमकार्ड भेजने वाले रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस रैकेट में RBL बैंक के 89 खातों में केवल छह महीने के अंदर 1455 करोड़ रुपए के लेन-देन किए गए। इन खातों को खुलवाने में बैंक अधिकारियों और तीन शाखाओं - वेसु, सहारा दरवाजा और वराछा के कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई है। इस मामले की जांच कर रही उधना पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने RBL बैंक के एरिया हेड, ऑपरेशन हेड और एक महिला कर्मचारी समेत कुल आठ बैंक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, उधना पुलिस को वाहन चेकिंग के दौरान रोनक संदीप सुदानी नाम के युवक की मोपेड की डिक्की से अलग-अलग नामों के पैनकार्ड और प्रॉपाइटरशिप की स्टांप मुहरें मिली थीं। जब उसकी गहन पूछताछ की गई तो पता चला कि साइबर फ्रॉड के लिए फर्जी बैंक अकाउंट खुलवाकर किट और सिमकार्ड भेजने वाले एक बड़े रैकेट से वह जुड़ा है।

आगे की पूछताछ में पुलिस ने किरत जादवण और मीत खोखर को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 7 मोबाइल फोन, 21 डेबिट कार्ड, 30 चेकबुक, 3.84 लाख नकद, कंप्यूटर, लैपटॉप, नोट गिनने की मशीन, स्टेशनरी और कटर मशीन समेत कुल 7.02 लाख रुपए का माल जब्त किया गया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि सारोली स्थित राज टेक्सटाइल टावर में ऑफिस चलाने वाले किरत और मीत पिछले 9 महीनों से अलग-अलग लोगों को लालच देकर विभिन्न बैंकों में उनके नाम पर खाते खुलवाते थे। इसके बाद वे इन खातों की किट और उनसे लिंक किए गए मोबाइल नंबर के सिमकार्ड अपने कब्जे में ले लेते थे। फिर वे यह किट और सिम दिव्येश चक्राणी के जरिए दिल्ली के विनीत प्रसाद को भेजते थे, जहां से यह सामग्री साइबर ठगों तक पहुंचती थी।

बाद में जांच में खुलासा हुआ कि यह साइबर फ्रॉड का घोटाला 2000 करोड़ रुपए से अधिक का है।

उधना पुलिस ने जब जांच को आगे बढ़ाया तो पता चला कि विभिन्न बैंकों के कुल 165 खातों में से केवल RBL बैंक के 89 खातों में ही 1455 करोड़ रुपए का लेन-देन केवल छह महीनों में हुआ है।

जांच में सामने आया कि बैंक के एरिया हेड अमित कुमार गुप्ता, ऑपरेशन हेड अरुण घोघारी और वेसु, सहारा दरवाजा तथा वराछा शाखाओं के कुछ कर्मचारियों ने रिश्वत लेकर इस रैकेट में साथ दिया। इन्होंने आम नागरिकों के नाम से खाते खुलवाकर उन खातों से भारी लेनदेन करवाए।

इन साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने RBL बैंक के एरिया हेड, ऑपरेशन हेड और एक महिला कर्मचारी समेत कुल 8 बैंक कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया है।

कपड़ा व्यापारी के साथ 28.81 लाख की धोखाधड़ी

दिल्ली के दो व्यापारी और स्थानीय दलाल के खिलाफ पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सलाबतपुरा क्षेत्र, मालीनी वाड़ी में कपड़े का व्यवसाय करने वाले एक व्यापारी के साथ दिल्ली के दो व्यापारियों ने स्थानीय दलाल के जरिए माल खरीदकर 28.81 लाख की रकम का भुगतान न कर धोखाधड़ी की। व्यापारी की शिकायत पर सलाबतपुरा पुलिस ने दो अलग-अलग धोखाधड़ी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीपलोड क्षेत्र में रहने वाले और सलाबतपुरा स्थित मालीनी वाड़ी में कपड़े का कारोबार करने वाले डेनिश हरीशभाई सोपारीवाला (उम्र 35 वर्ष) ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि 12 अगस्त 2023 से 31 जनवरी 2024 के बीच कपड़ा दलाल बैजनाथ मदनमोहन पांडे (उम्र 43 वर्ष, निवासी जय जवान जय किसान सोसायटी, पांडेसरा) के जरिए दिल्ली के दो व्यापारियों ने उनसे कपड़े का माल खरीदा था।

इनमें शामिल एक व्यापारी, मनोज कुमार, दिल्ली के चांदनी चौक, नई सड़क, जागीवाड़ा स्थित "MASHU Enterprises" के प्रोपराइटर हैं। उन्होंने 15,50,853 का कपड़ा खरीदा था। दूसरे व्यापारी संजय कुमार अग्रवाल, नई दिल्ली के नांगलोई स्थित जे.जे. कॉलोनी में स्थित "Shree Shyam Enterprises" के प्रोपराइटर हैं, जिन्होंने 13,30,186 मूल्य का कपड़ा खरीदा था। इस प्रकार दोनों व्यापारियों ने दलाल बैजनाथ पांडे के माध्यम से कुल 28,81,039 का माल लिया।

शिकायत के अनुसार तय समयसीमा में न तो व्यापारियों ने और न ही दलाल ने भुगतान किया। जब डेनिश सोपारीवाला ने बार-बार भुगतान की मांग की तो मनोज कुमार और संजय कुमार ने झूठे वादे कर समय टालते रहे और अंत में साफ इनकार कर दिया। वहीं दलाल बैजनाथ ने भी भुगतान के लिए हाथ खड़े कर दिए।

अंततः डेनिश सोपारीवाला ने सलाबतपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मनोज कुमार, संजय कुमार अग्रवाल और कपड़ा दलाल बैजनाथ मदनमोहन पांडे के खिलाफ दो अलग-अलग धोखाधड़ी के केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

भीलाड पुलिस और SOG वलसाड की संयुक्त कार्रवाई

0.630 किलो गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मा. पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रेम वीर सिंह (सूरत रेंज) के निर्देशन तथा वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक मा. डॉ. करनराज वाघेला के आदेशानुसार, वलसाड जिले में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी व बिक्री के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में बी.एन. दवे, उप पुलिस अधीक्षक (वापी डिवीजन) के मार्गदर्शन में तथा आर.पी. डोडिया, प्रभारी पुलिस निरीक्षक (भीलाड पुलिस स्टेशन) एवं स्क्व वलसाड की टीम द्वारा एक विशेष सूचना के आधार पर संयुक्त छापेमारी की गई।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ताहिर अली असगर अली खान, निवासी इमरान नगर, सरीगाम (ता. उमरगाम, जि. वलसाड) अपने घर में अवैध रूप से गांजा रखकर उसकी बिक्री कर रहा था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 0.630 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 6,300/- है, बरामद किया। साथ ही एक मोबाइल फोन (कीमत 10,000/-) और गांजा रखने के उपयोग में लाई गई सामग्री भी जब्त की गई।

इस मामले में विशाल पटेल (निवासी: संजान, उमरगाम, वलसाड) नामक एक व्यक्ति को वॉन्टेड घोषित किया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट 1985 की धारा 8(सी), 20(बी)(II)(B)(A),29 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी का विवरण:

1. ताहिर अली असगर अली खान (उम्र 36 वर्ष) — **व्यवसाय:** व्यापार, निवासी- इमराननगर, सरीगाम, तालुका उमरगाम, जिला वलसाड

वॉन्टेड आरोपी: 2. विशाल पटेल, निवासी: संजान, तालुका उमरगाम, जिला वलसाड

जब्त सामग्री का विवरण:

गांजा (0.630 किलोग्राम) - कीमत 6,300/-

मोबाइल फोन - कीमत 10,000/-

प्लास्टिक झोला व पैकिंग सामग्री

लाइट बिल की प्रतियां

इस सफल कार्यवाही को अंजाम देने वाले अधिकारी व कर्मचारी:पुलिस इंस्पेक्टर ए.यू. रोज (SOG वलसाड)

प्रभारी पुलिस निरीक्षक आर.पी. डोडिया (भीलाड थाना)

SOG वलसाड व भीलाड पुलिस स्टेशन का स्टाफ

दमन पुलिस द्वारा क्षेत्र में फुट पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SP) दमन श्रीमान एवं उपविभागीय पुलिस अधिकारी (SDPO) दमन श्रीमती के नेतृत्व में पुलिस स्टाफ के साथ व्यापक फुट पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया।

यह पेट्रोलिंग दमन के विभिन्न संवेदनशील एवं प्रमुख क्षेत्रों में की गई, जिसमें आमजन से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं को जाना गया तथा उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

इस दौरान पुलिस बल की सक्रियता से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल नियमित रूप से जारी रहेगी ताकि दमन को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाए रखा जा सके।